Gandivaranchi

बिरसा का गांडीव

DE GROUP® We Define Estate

injection.care PHARMACY +91 95070 00009 | injection.care

रांची, माघ, कृष्ण पक्ष, चतुर्थी 2082 | मंगलवार, 06 जनवरी 2025, मूल्य: ₹2, वर्ष : 7, अंक: 52 | RNI NO : JHABIL/2019/85684 | TOTAL PAGE-08 | www.gandivlive.com

दक्षिण पूर्व रेलवे के जीएम ने किया क्षतिग्रस्त रेलवे पुल का निरीक्षण, कहा

मार्च तक रांची से लोहरदगा स्टेशन के बीच नहीं चलेगी ट्रेन

GANDIV REPORTER

रांची/लोहरदगा। कोयल नदी पर बने रेलवे ब्रिज का पिलर संख्या 115 के क्षतिग्रस्त होने के बाद लोहरदगा से ट्रेनों का परिचालन ठप है। मामले में मंगलवार को दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा ने तकनीकी टीम के साथ रेलवे ब्रिज का निरीक्षण किया। रेलवे के विशेष स्पीक कोच से लोहरदगा पहुंचे दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा ने रेल पुल की स्थिति और ट्रेनों के परिचालन को लेकर समीक्षा की।

रेलवे महाप्रबंधक के निरीक्षण और उनके बयान के बाद यह तो तय हो गया है कि रांची से लोहरदगा स्टेशन तक एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन फिलहाल नहीं होगा। कम से कम मार्च के अंतिम तक तो यह संभव नहीं है। इसके साथ ही लोहरदगा स्टेशन तक मेमू ट्रेन भी नहीं पहुंचेगी। रेल यात्रियों को फिलहाल असुविधा का सामना करना पड़ेगा। वहीं मेमू ट्रेन के परिचालन को लेकर भी कुछ सीमा तय की गई है।

महाप्रबंधक ने तकनीकी टीम के साथ विभिन्न विषयों पर चर्चा की। जिसमें उन्होंने पिलर संख्या 5 की सबसे पहले मरम्मत कराने के निर्देश दिए गए हैं। उसके बाद पिलर संख्या 6 और 7 की मरम्मत की जाएगी। वहीं, 15 फरवरी तक सॉइल टेस्टिंग का काम पूरा कर लिया जाएगा। महाप्रबंधक ने कहा कि प्रयास किया जा रहा है कि मार्च के अंतिम तक ट्रेनों का परिचालन शुरू कर दिया जाए। सभी मरम्मत कार्य मई 2026 तक पूरे कर लिए जाने की संभावना है। साथ ही रेलवे इस लाइन पर कोयल नदी पर नए पुल के निर्माण को लेकर भी योजना पर काम करेगा।

रेलवे महाप्रबंधक ने कहा कि यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मेमू पैसेंजर ट्रेन का परिचालन लोहरदगा स्टेशन से सात किलोमीटर दूर इरगांव हॉल्ट तक किया जाएगा। यात्रियों को लोहरदगा से ईरगांव तक के लिए बस की सुविधा प्रदान की जाएगी। वहीं लोहरदगा से टोरी के लिए कनेक्टिंग ट्रेन की सुविधा भी शुरू की जाएगी। फिलहाल रांची से लोहरदगा के बीच एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन नहीं होगा।

नदी से बालू उठाव और कटाव से पुल को नुकसान

उन्होंने यह भी कहा कि नदी से बालू के उठाव और कटाव की वजह से रेलवे पुल को नुकसान पहुंचा है। पुल की मरम्मत के लिए तीन-चार टीमें लगातार 24 घंटे काम करेगी। पुल का पिलर संख्या 4, 5, 6 और 7 को जैकेटिंग और पाइलिंग के जरिए दुरुस्त किया जाएगा। साथ ही स्टील गार्डर के माध्यम से फिलहाल परिचालन प्रारंभ करने का प्रयास किया जाएगा।

चाईबासा में जंगली हाथी ने जमकर मचाया उत्पात

पिता समेत दो मासूम को हाथी ने कुचल कर मारा, एक गंभीर

GANDIV REPORTER

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले के गोईलकेरा प्रखंड में जंगली हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार देर रात गोईलकेरा थाना क्षेत्र के सोवा गांव में एक जंगली हाथी ने भीषण उत्पात मचाया। इस दौरान एक ही परिवार के तीन लोगों को कुचलकर मार डाला। इस दर्दनाक घटना से पूरे गांव में शोक और भय का माहौल है। जानकारी के अनुसार सोवा गांव निवासी कुंदरा बहदा अपने परिवार के साथ झोपड़ी में सो रहे थे। इसी दौरान देर रात अचानक जंगली हाथी गांव में घुस आया और उनकी झोपड़ी पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले में

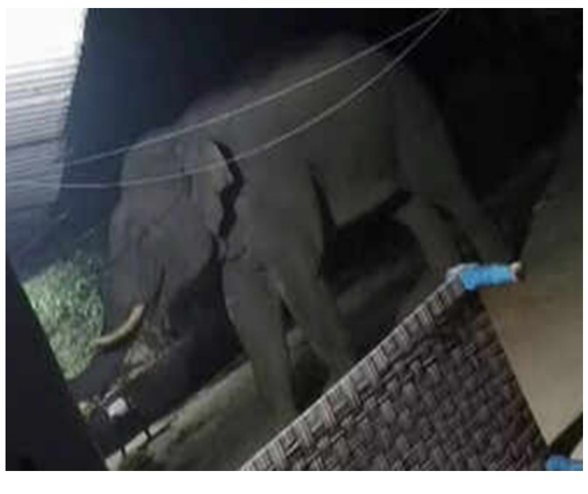

कुंदरा बहदा, उनकी बेटी कोदमा बहदा और बेटा सामु बहदा को हाथी ने कुचल दिया। जिससे तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। हमले के दौरान कुंदरा बहदा की पत्नी किसी तरह जान बचाकर भागने में सफल रही। जबकि उनकी दूसरी बेटी जिंगी बहदा गंभीर रूप से घायल हो गई है। घायल बच्ची के सिर में गंभीर चोटें आईं हैं। उसे प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी नाजुक स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए राउरकेला रेफर कर दिया है।

वन विभाग ने दी तत्काल राहत

घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। वन क्षेत्र पदाधिकारी रामजी राम ने बताया कि हमले में तीन लोगों की मौत हुई है। घटना के बाद विभाग की ओर से मृतकों के परिजन को तत्काल राहत के रूप में 20 हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान की गई है। साथ ही वन विभाग के अधिकारी द्वारा सरकारी मुआवजे से संबंधित आवश्यक कागजी प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

ग्रामीणों में आक्रोश सुरक्षा की मांग

लगातार हो रहे हाथियों के हमलों से ग्रामीणों में भारी आक्रोश और भय का महौल बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि जंगल से सटे गांवों में हाथियों की आवाजाही बढ़ गई है। लेकिन सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं किए जा रहे हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में नियमित निगरानी, हाथी भगाने की व्यवस्था और स्थायी सुरक्षा उपाय लागू करने की मांग की है। बता दें कि कई दिनों से इलाके में हाथियों का आतंक जारी है। लोग सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं।

ठंड प्रचंड, शीतलहर और कोहरे के चपेट में झारखंड

GANDIV REPORTER

रांची। झारखंड में सर्दी ने डबल अटैक कर दिया है। कई जिलों में अधिकतम तापमान के साथ न्यूनतम तापमान का भी नीचे गिरा है। पूरा झारखंड शीतलहर और कोहरे की चपेट में हैं। मौसम विभाग के अनुसार, अगले तीन दिनों तक न्यूनतम तापमान में बदलाव की संभावना नहीं है। सात जनवरी को राज्य के दक्षिण-पश्चिम और मध्य भाग में शीतलहर चलने की संभावना जताई है। चाईबासा में अधिकतम तापमान 24.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान गुमला में 2.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

छह जिलों में का पारा 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे गिर गया है। इसमें रांची, डालटनगंज,लोहरदगा, लातेहार, पाकुड़ और गुमला शामिल है। वहीं 10 जिलों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया है। इसमें रांची में न्यूनतम तापमान 7.2, डालटनगंज में 4.6, बोकारो में 6.7, चाईबासा में 7.4, खूंटी में 3.17,लोहरदगा में 3.9, लातेहार में 6.9,सरायकेला में 6.8 और पाकुड़ में 6.5 डिग्री सेल्सियस रहा। डालटनगंज में विजिबिलिटी 300 मीटर, रांची में 600 मीटर और देवघर में 700 मीटर रहा।

वहीं रांची के आसपास के क्षेत्रों में सात जनवरी को अधिकतम तापमान 22 और न्यूनतम 8 डिग्री सेल्सियस, आठ जनवरी को अधिकतम 22 और न्यूनतम 7 डिग्री सेल्सियस, नौ जनवरी को अधिकतम 21 और न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस और 10 जनवरी को अधिकतम 22 और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना जताई गई है।

यूपी एसआईआर में कटे करीब तीन करोड़ नाम ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में बिहार से भी बड़ी छंटनी

GANDIV REPORTER

नयी दिल्ली। यूपी में हुए एसआईआर के बाद जारी हुई ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में बिहार से भी ज्यादा छटनी हो गई है। निर्वाचन आयोग ने जो ड्राफ्ट सूची जारी की है उसमें करीब तीन करोड़ वोटरों के नाम कटे हैं। ये बिहार की ड्राफ्ट सूची से भी कहीं ज्यादा है। हालांकि निर्वाचन आयोग ने कहा है कि जिन लोगों को भी वोटरों के नाम कटने पर आपत्तियां वह छह फरवरी तक अपनी आपत्तियों को दर्ज करा सकते हैं। 12 मार्च को फाइनल वोटर लिस्ट जारी की जाएगी। मंगलवार को लोकभवन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान यूपी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) नवदीप रिणवा ने ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी करते हुए बताया

कि एसआईआर के समय करीब 15.44 करोड़ मतदाता थे, लेकिन एसआईआर की प्रक्रिया के बाद 2.89 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे गए हैं। अब ड्राफ्ट मतदाता सूची में फिलहाल 12.55 करोड़ मतदाताओं के नाम शामिल किए गए हैं। जिन वोटरों के नाम कटे हैं, उनमें 46.23 लाख मृत, 2.17 करोड़ स्थानांतरित और 25.47 लाख डुप्लीकेट, 79.52 लाख वोटर शामिल हैं।

छह फरवरी तक दर्ज करा सकते हैं आपत्ति

रिनवा ने कहा कि चुनाव आयोग ने घर-घर जाकर गिनती का अभियान चलाया था, जिसमें वोटरों या उनके परिवार के सदस्यों को गिनती के फॉर्म भरने और साइन करने थे। हालांकि यह एक्सरसाइज मूल रूप से 11 दिसंबर को खत्म होने वाली थी, लेकिन राज्य ने देखा कि बड़ी संख्या में वोटरों लगभग 2.97 करोड़ के नाम ड्राफ्ट लिस्ट से बाहर हो रहे थे, जिसके बाद राज्य ने अतिरिक्त 15 दिन का समय मांगा था। उन्होंने कहा, ड्राफ्ट सूची में करीब 18.70 फीसदी वोटरों के नाम काटे गए हैं। सभी जिलों में ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया है। उन्होंने बताया, छह फरवरी तक मतदाता सूची पर दावे व आपत्तियां की जाएंगी। वहीं मंगलवार से लेकर 27 फरवरी तक इन दावे व आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा।

इजरायल की एयर स्ट्राइक, हिज्बुल्ला व हमास के ठिकानों को बनाया निशाना

GANDIV REPORTER

सिदोन। इजरायल की वायु सेना ने सोमवार देर रात और मंगलवार तड़के दक्षिणी और पूर्वी लेबनान के कई इलाकों में हवाई हमले किए। इन हमलों में लेबनान का तीसरा सबसे बड़ा शहर सिदोन भी शामिल है। मंगलवार तड़के करीब एक बजे हुए हमले में सिदोन के दक्षिणी तटीय इलाके में स्थित एक तीन मंजिला व्यावसायिक इमारत पूरी तरह ध्वस्त हो गई।

इजरायली सेना ने बताया कि सोमवार को दक्षिणी और पूर्वी लेबनान में जिन ठिकानों पर हमला किया गया, वहां हिज्बुल्ला और हमास से जुड़ी ढांचागत सुविधाएं मौजूद थीं। हमलों से करीब दो घंटे पहले इजरायल के सैन्य प्रवक्ता अविचाई अद्राई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर चेतावनी जारी की थी। उन्होंने कहा था कि सेना पूर्वी बेका घाटी के दो गांवों और दक्षिणी लेबनान के दो अन्य गांवों में हिज्बुल्ला और फिलिस्तीनी हमास समूह के ठिकानों को निशाना बनाएगी। घटनास्थल पर मौजूद एक फोटोग्राफर के अनुसार, यह इलाका व्यावसायिक गतिविधियों से जुड़ा हुआ था, जहां कार्यशालाएं और मैकेनिक की दुकानें थीं।

जमीन विवाद में चली गोली, एक घायल

पलामू। जिले के तरहसी थाना क्षेत्र अंतर्गत मिशिरदोहर गांव में जमीन विवाद में गोली चलने की खबर है। इस घटना में प्रदीप सिंह नामक व्यक्ति को गोली लगी है, जिसका इलाज अस्पताल में चल रहा है। घटना सोमवार की रात करीब 10.30 बजे की बताई जा रही है। परिजनों के अनुसार, जमीन को लेकर हुए आपसी विवाद में चतुर्गुण सिंह ने प्रदीप सिंह पर गोली चलाई है। गोली चलाने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घायल प्रदीप सिंह को परिजन तरहसी स्वास्थ्य उपकेंद्र लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उसे एमएमसीएच रेफर कर दिया गया।

27 हजार करोड़ के बैंक फ्रॉड केस में मिली राहत

सुप्रीम कोर्ट ने अरविंद की जमानत मंजूर की

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एमटेक ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष अरविंद धाम को 27 हजार करोड़ रुपये के बैंक फ्रॉड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत दे दी। यह आदेश जस्टिस संजय कुमार और आलोक अराधे की बेंच ने पास किया।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाई कोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया जिसमें उन्हें जमानत देने से मना कर दिया गया था। जस्टिस अराधे, जो जस्टिस पीएस नरसिम्हा की अगुवाई वाली बेंच में बैठे थे, ने यह फैसला सुनाया। जस्टिस अराधे ने कहा कि कोर्ट ने इस केस में अरविंद धाम की अपील मान ली है। पिछले साल अगस्त में, दिल्ली हाई कोर्ट ने अरविंद धाम को जमानत देने से मना कर दिया था। हाई कोर्ट ने कहा था कि समय से पहले रिहाई से जवाबदेही तय करने की कोशिशों को नुकसान हो सकता है। हाई कोर्ट ने कहा था कि, टेक्नोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विकास के साथ, मनी लॉन्ड्रिंग जैसे आर्थिक अपराध देश के आर्थिक प्रणाली के लिए एक गंभीर खतरा बनकर उभरे हैं। ये अपराध जांच एजेंसियों के लिए एक बड़ी चुनौती हैं।

अमेरिकी कोर्ट में मादुरो बोले-मुझे किडनैप किया गया

आरोपों से इनकार, गिरफ्तारी को अवैध बताया, विपक्षी नेता मारिया मचाडो जल्द वेनेजुएला लौटेंगी

GANDIV REPORTER

न्यूयॉर्क। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सोमवार रात न्यूयॉर्क की फेडरल कोर्ट में पेश किया गया। उन्होंने कोर्ट में अपने खिलाफ लगे ड्रग्स और हथियार तस्करी से जुड़े सभी आरोपों से इनकार किया।

खबरों के मुताबिक, मादुरो ने अदालत में अपनी गिरफ्तारी को गैरकानूनी बताया और कहा कि मुझे किडनैप किया गया है। पहली सुनवाई में मादुरो ने खुद को निर्दोष बताते हुए कहा, मैं अपराधी नहीं हूं। मैं एक सम्मानित व्यक्ति हूं और अब भी अपने देश का राष्ट्रपति हूं।

मादुरो के वकीलों ने अमेरिकी कार्रवाई को सैन्य अपहरण बताया है। उन्होंने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय कानून और कानूनी प्रक्रिया का उल्लंघन है। अगली सुनवाई 17 मार्च को होगी। दूसरी तरफ वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया मचाडो ने ऐलान किया है कि वे जल्द ही देश वापस लौटेंगीं। मचाडो ने दावा किया कि अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज को वेनेजुएला की जनता का समर्थन नहीं है और देश की जनता विपक्ष के साथ है।

मादुरो के पैरों में बेड़ियां थीं : सुनवाई के दौरान मादुरो के पैरों में बेड़ियां लगी हुई थीं। वह और उनकी पत्नी एक ही मेज पर बैठे थे और दोनों ने हेडफोन लगाए थे ताकि अदालत में कही जा रही बातों को अपनी भाषा में समझ सकें। जज ने अदालत में दोनों के खिलाफ लगाए गए आरोपों को पढ़कर सुनाया। इससे पहले मादुरो को लेकर एक हेलिकॉप्टर से अदालत के पास बने हेलिपैड पर उतारा गया था। हेलिकॉप्टर से उतरते ही उन्हें तुरंत एक वैन में बैठाया गया और वहां से सीधे अदालत ले जाया गया। मादुरो के खिलाफ सुनवाई के दौरान अदालत के बाहर सैकड़ों लोग जमा हुए। एक तरफ अमेरिका की कार्रवाई के खिलाफ प्रदर्शन हुआ, तो दूसरी ओर मादुरो विरोधी लोगों ने उनके खिलाफ नारे लगाए।

मादुरो की पत्नी सीलिया फ्लोरेस भी पेश हुईं

मादुरो की पत्नी सीलिया फ्लोरेस भी अदालत में पेश हुईं। उनके चेहरे पर चोट के निशान और पट्टी बंधी थी। उन्होंने खुद को वेनेजुएला की प्रथम महिला बताया और सभी आरोपों से इनकार किया। मादुरो और उनके सहयोगियों पर नशा तस्करों और आतंकी गिरोहों के साथ मिलकर अमेरिका में कोकीन पहुंचाने की साजिश रचने का आरोप है। मादुरो पर मशीनगन रखने का भी आरोप है, जिसके लिए लंबी सजा हो सकती है। चार्जशीट में मादुरो के बेटे निकोलस मादुरो गुएरा, गृह मंत्री डियोसडाडो काबेलो और कुख्यात गैंग त्रेन दे अरागुआ के सरगना हेक्टर गुरेरो फ्लोरेस का नाम भी शामिल है। अमेरिका इस गैंग को विदेशी आतंकी संगठन मानता है।

पेसा पर पूर्व सीएम चम्पाई सोरेन का तीखा हमला

आदिवासियों को धोखा देने का आरोप

GANDIV REPORTER

रांची। झारखंड में पेसा नियमावली को लेकर सियासत तेज हो गई है। पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ आदिवासी नेता चम्पाई सोरेन ने पेसा नियमावली को आदिवासी समाज के अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा बताते हुए राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट के दबाव और विपक्ष के आंदोलन के बाद जो नियमावली लाई गई है, वह पूरी तरह आदिवासी विरोधी है और पेसा के मूल उद्देश्य को ही खत्म करती है।

चम्पाई सोरेन ने आरोप लगाया कि सरकार ने पेसा के नाम पर आदिवासियों को धोखा दिया है। पिछली नियमावली से तुलना करने पर साफ है कि इसके मूल स्वरूप को ही बदल दिया गया है। सबसे गंभीर बदलाव यह है कि ग्राम सभा के गठन से रूढ़िजन्य विधि और धार्मिक प्रथाओं जैसे महत्वपूर्ण शब्दों को हटा दिया गया है, जो पेसा की आत्मा पर सीधा प्रहार है।

उन्होंने कहा कि नियमावली के पहले ही पेज पर ग्राम सभा अध्यक्ष की नियुक्ति के नाम पर पिछला दरवाजा खोल दिया गया है, जो पेसा अधिनियम की मूल भावना के खिलाफ है। जब भारतीय संविधान की धारा 13(3)(क) रूढ़िजन्य प्रथाओं को मान्यता देती है, तो सरकार उन्हें हटाकर आखिर किसे फायदा पहुंचाना चाहती है।

चम्पाई सोरेन ने कहा कि पेसा कानून का मूल उद्देश्य आदिवासी समाज की परंपरागत व्यवस्था, सामाजिक-धार्मिक मान्यताओं और स्वशासन की रक्षा करना है। सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न हाई कोर्टों के फैसले भी पेसा को आदिवासी स्वशासन का संवैधानिक विस्तार मानते हैं, लेकिन झारखंड सरकार ठीक इसके उलट काम कर रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार उन लोगों को पेसा के तहत अधिकार देना चाहती है, जिन्होंने आदिवासी धर्म और परंपरा को

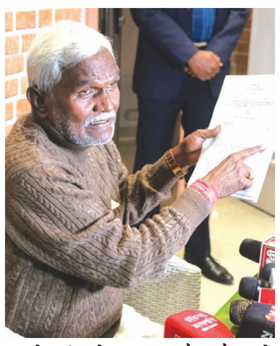

पहले ही छोड़ दिया है और जो पहले से अल्पसंख्यक होने के सारे लाभ लेते हैं। इससे आदिवासियों के अधिकार छिन जाएंगे।

नियमगिरि पर्वत मामले का हवाला देते हुए चम्पाई सोरेन ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने आदिवासियों की धार्मिक मान्यताओं को स्वीकार कर वेदांता की खनन परियोजना रद्द कर दी थी। जब अदालतें आदिवासियों की आस्था का सम्मान करती हैं, तो झारखंड सरकार को इससे क्या आपत्ति है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि पहले टीएसी की बैठक से राज्यपाल को हटाया गया और अब शेड्यूल एरिया में राज्यपाल के अधिकार सीमित कर उपायुक्त को सारे अधिकार दे दिए गए हैं, ताकि मनमानी की जा सके।

चम्पाई सोरेन ने कहा कि नई नियमावली में ग्राम सभाओं के अधिकारों को गंभीर रूप से सीमित कर दिया गया है। सामुदायिक संसाधनों की परिभाषा को जल, जंगल और जमीन से हटाकर केवल सरना, मसना, जाहेरथान और सांस्कृतिक भवनों तक सीमित कर दिया गया है। उन्होंने सवाल किया कि शेड्यूल एरिया में आदिवासियों को जल-जंगल-जमीन के अधिकार से कैसे दूर रखा जा सकता है,

उन्होंने कहा कि पहले ग्राम सभा को डीएमएफटी और अन्य योजनाओं को मंजूरी देने का अधिकार था, लेकिन अब सिर्फ सहमति ली जाएगी, और 30 दिन में सहमति नहीं देने पर उसे स्वतः स्वीकृत मान लिया जाएगा। गठन से लेकर विवाद तक हर अधिकार उपायुक्त को दे दिया गया है, जिससे ग्राम सभा की भूमिका लगभग खत्म हो जाती है।

लघु खनिजों को लेकर भी चम्पाई सोरेन ने सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि पहले बालू, मिट्टी, पत्थर, मोरम जैसे लघु खनिजों पर ग्राम सभा का पूरा अधिकार था, लेकिन अब उन्हें सिर्फ सरकार के निर्देश मानने होंगे। सीएनटी/एसपीटी एक्ट के उल्लंघन पर भूमि वापसी जैसे अधिकार भी ग्राम सभा से छीन लिए गए हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि शेड्यूल एरिया में लगने वाले उद्योगों को लेकर कोई स्पष्ट गाइडलाइन नहीं है। विकास, डैम और उद्योग के नाम पर विस्थापन की कीमत हमेशा आदिवासी और मूलवासी ही क्यों चुकाएं,

टाटा समूह और चांडिल डैम का उदाहरण देते हुए चम्पाई सोरेन ने कहा कि 116 गांव डूब गए, लेकिन विस्थापितों को क्या मिला, जिन भूमिपुत्रों की जमीन पर जमशेदपुर बसा, उनकी आज क्या स्थिति है, उन्होंने टाटा लीज के नवीनीकरण की प्रक्रिया तत्काल रोकने की मांग की।

'पेसा नियमावली से भाजपा नेताओं की काली कमाई पर लगेगी रोक : झामुमो

GANDIV REPORTER

रांची। झारखंड में पेसा नियमावली को लेकर सत्ताधारी और विपक्षी पार्टियों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। पिछले दिन पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने झारखंड सरकार की पेसा नियमावली को असली पेसा कानून की हत्या करार दिया था। जिसके बाद अब झामुमो की ओर से पलटवार किया गया है। झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने अर्जुन मुंडा, रघुवर दास और दूसरे भाजपा नेताओं के पेसा नियमावली को लेकर उठाए गए सवालों का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि असल में राज्य की महागठबंधन सरकार जो पेसा नियमावली लाई है, उससे बीजेपी नेताओं की गैर-कानूनी कमाई रुकेगी, इसीलिए बीजेपी नेता इतना हंगामा कर रहे हैं।

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि पेसा कानून लागू होने के बाद से बीजेपी नेताओं के पेट में दर्द होने लगा है। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार ने शेड्यूल-5 इलाकों में

पेसा एक्ट 1996 को असरदार तरीके से लागू करने के लिए नियमावली बनाई हैं, इसीलिए बीजेपी नेता बौखलाए हुए हैं। पेसा कानून से अब उनकी कथित काली कमाई पर रोक लगेगी। उन्होंने सीधे तौर पर पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा पर भी आरोप लगाया, कहा कि अर्जुन मुंडा ने मुख्यमंत्री के तौर पर लंबा समय बिताया, लेकिन उनके कार्यकाल में पेसा कानून पर पांच पैसे का भी काम नहीं हुआ, बल्कि अपने स्वार्थ के लिए जनजातिय उपजातियों को लेकर फैसले लिए गए। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी पर भी सवाल उठाते हुए पूछा कि 2000 में जब वे मुख्यमंत्री थे, तब उन्हें पेसा कानून की याद क्यों नहीं आई। उस समय आदिवासियों पर गोलियां चलाई जा रही थीं और आज आदिवासियों के लिए चिंता जताई जा रही है।

सुप्रियो भट्टाचार्य ने दावा किया कि झारखंड की आदिवासी जनता बीजेपी की असलियत जान चुकी है। लोगों ने 2019 और 2024 के विधानसभा चुनावों में बीजेपी को करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि बीजेपी पहले राज्य में दबाव बनाकर माइनिंग लीज दिलाती थी, लेकिन अब पेसा कानून के तहत ग्राम सभा सर्वोच्च है, और माइनिंग पर रोक लग चुकी है। यही वजह है कि घबराहट और बौखलाहट साफ दिख रही है। पेसा कानून ने उनके आर्थिक खेल पर रोक लगा दी है।

वहीं सुप्रियो भट्टाचार्य का दावा है कि पेसा कानून आदिवासियों के अधिकारों का सुरक्षा कवच है, और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इसे लागू करके ऐतिहासिक काम किया है। अब बीजेपी कितना भी विरोध करे, झारखंड की आदिवासी जनता उसके साथ नहीं जाने वाली।

झारखंड पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग को चहिए 8 वैरायटी के लक्जरी वाहन, सफेद रंग अनिवार्य

GANDIV REPORTER

रांची। झारखंड के पिछड़ा वर्ग राज्य आयोग को आठ वेराइटी (विभिन्न कंपनी) के लक्जीरियस वाहन की जरूरत है। इन वाहनों में इनोवा क्रिस्टा, हुंडई वेरेना, होंडा सिटी, स्कोडा सलाविया, वोल्सवेगन वर्चुअस, स्वीफ्ट डिजायर, होंडा अमेज और महेंद्रा स्कार्पियो शामिल हैं। इन वाहनों को बाह्य स्त्रोत से उपलब्ध कराने के लिए टेंडर जारी किया है। वाहन उपलब्ध कराने वाले नौ जनवरी तक आवेदन दे सकते हैं। इसमें खास बात यह है कि सभी वाहन का रंग सफेद होना अनिवार्य है।

वाहन मासिक दर के आधार पर 1500 कि.मी. प्रति महीने के लिए होगा।

- वाहन पूर्ण रूप से पिछड़े वर्गों के लिए राज्य आयोग, रांची के नियंत्रण में होगा।

वाहन प्रतिदिन औसतन 12 घंटे तक उपयोग में लाया जा सकेगा।

- दरों में संशोधन नहीं किया जाएगा।
- भुगतान 30 दिनों के भीतर किया जाएगा।
- वाहन की जिम्मेदारी आपूर्तिकर्ता की होगी।
- वाहन में हमेशा पर्याप्त ईंधन होना चाहिए।
- वाहन का उपयोग राज्य के भीतर एवं बाहर कहीं भी किया जा सकता है।
- वाहन का किराया दैनिक / मासिक दर पर होगा।
- रात्रि विश्राम के लिए अलग से भुगतान किया जाएगा।
- वाहन में लॉग बुक और शिकायत / सुझाव पुस्तिका होनी चाहिए।

जी राम जी कानून रोजगार गारंटी को कमजोर कर देगा : ज्यां द्रेज

GANDIV REPORTER

रांची। केंद्र सरकार द्वारा 18 दिसंबर 2025 को पारित किए गए नए कानून विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण), जिसे आमतौर पर वी।बी। जी राम जी कानून 2025 कहा जा रहा है, के खिलाफ झारखंड में विरोध तेज हो गया है। झारखंड नरेगा वॉच ने इस कानून को मनरेगा की आत्मा पर सीधा हमला बताते हुए केंद्र सरकार से इसे वापस लेने की मांग की है।

रांची में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए प्रख्यात अर्थशास्त्री और सामाजिक कार्यकर्ता ज्यां द्रेज ने कहा कि नए कानून को लेकर आम लोगों में भारी भ्रम की स्थिति है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस कानून के माध्यम से रोजगार गारंटी की

मूल भावना को कमजोर किया जा रहा है।ज्यां द्रेज ने कहा कि इस नई स्कीम में पूरा नियंत्रण केंद्र सरकार के हाथों में होगा, पुराने नोटिफिकेशन रद्द कर दिए जाएंगे और नया फ्रेमवर्क राज्यों पर थोपा जाएगा। इसके तहत राज्य सरकारों को योजना की कुल लागत का 40 प्रतिशत हिस्सा खुद वहन करना होगा, जो गरीब और संसाधन-विहीन राज्यों के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

संघीय ढांचे पर सीधा हमला : झारखंड नरेगा वॉच ने चेतावनी दी कि राज्यों को विश्वास में लिए बिना इस तरह का कानून लागू करना देश के संघीय ढांचे पर सीधा प्रहार है। यदि यह कानून वापस नहीं लिया गया तो झारखंड सहित देश के कई राज्यों में व्यापक जन आंदोलन छेड़ा जाएगा।

बिना जनसंवाद के थोप दिया गया कानून : संगठन के अनुसार, देश के लगभग 26 करोड़ श्रमिकों को प्रभावित करने वाला यह कानून बिना किसी सार्वजनिक चर्चा के संसद के दोनों सदनों से जल्दबाजी में पारित किया गया। यह प्रक्रिया लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है और मजदूरों के अधिकारों की अनदेखी करती है। अधिकार आधारित व्यवस्था से बजट- आधारित मॉडल की ओर मनरेगा अधिनियम 2005 जहां अधिकार-आधारित और मांग-आधारित कानून था। वहीं, नया ग्राम जी कानून बजट-सीमित और आपूर्ति-आधारित मॉडल पर आधारित है।

ग्राम सभा और पंचायतों की भूमिका होगी कमजोर : नए कानून के तहत योजनाओं का निर्धारण केंद्रीयकृत ढांचे के माध्यम से किया जाएगा। इससे ग्राम सभा और पंचायतों की निर्णयकारी भूमिका लगभग समाप्त हो जाएगी। स्थानीय जरूरतों के बजाय ऊपर से तय की गई योजनाएं थोपे जाने की आशंका जताई गई है।

झारखंड जैसे राज्यों पर बढ़ेगा भारी आर्थिक बोझ : लागत साझेदारी के नए प्रावधानों के तहत केंद्र 60 प्रतिशत और राज्य 40 प्रतिशत खर्च वहन करेंगे। झारखंड जैसे आर्थिक रूप से कमजोर राज्यों पर इससे हजारों करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय भार पड़ेगा, जिसे वहन करना मुश्किल होगा।

60 दिनों का वर्क लॉकआउट मजदूरों के लिए घातक : कानून में कृषि के चरम मौसम के दौरान 60 दिनों तक काम स्थगित रखने का प्रावधान है। इस अवधि में मजदूरों को न तो काम मिलेगा और न ही मजदूरी।

सोशल ऑडिट की जगह तकनीकी निगरानी : मनरेगा की पारदर्शिता की पहचान रहे सामाजिक अंकेक्षण (सोशल ऑडिट) को कमजोर कर, नए कानून में बायोमेट्रिक हाजिरी, जियो-फेंसिंग और मोबाइल आधारित निगरानी पर अधिक जोर दिया गया है।

महिला हॉकी इंडिया लीग : जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब ने दर्ज की पहली जीत

GANDIV REPORTER

रांची। महिला हॉकी इंडिया लीग 2025-26 में खरह सूरमा हॉकी क्लब ने अपना पहला मुकाबला जीतते हुए रांची रॉयल्स को 2-1 से पराजित किया। यह मैच सोमवार को मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में खेला गया। सूरमा की ओर से पेनी स्क्विब (1) और ओलिविया शैनन (39) ने गोल किए, जबकि रांची रॉयल्स के लिए अगोस्तिना अलोंसो (35) ने गोल दागा।

आज के मैच की शुरूआत बेहद आक्रामक अंदाज में करते हुए खरह सूरमा हॉकी क्लब ने पहले ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। जिसे पेनी स्क्विब ने ड्रैगफ्लिक के जरिए गोल में बदलकर टीम को बढ़त दिलाई।

शुरूआती क्वार्टर में सूरमा का दबदबा रहा और रांची रॉयल्स ज्यादा मौके नहीं बना सकी।

दूसरे क्वार्टर में रांची रॉयल्स ने वापसी की कोशिश की और कई सर्कल एंट्री व पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। लेकिन सूरमा की मजबूत और संगठित रक्षा पंक्ति को भेदने में नाकाम रहीं। हाफ टाइम तक स्कोर 1-0 रहा। तीसरे क्वार्टर में रांची रॉयल्स को बराबरी मिली। हन्ना कॉटर के शानदार प्रयास के बाद अगोस्तिना अलोंसो ने गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। हालांकि, चार मिनट बाद ही खरह ने पेनल्टी स्ट्रोक पर ओलिविया शैनन के गोल से दोबारा बढ़त बना ली। अंतिम क्वार्टर में रांची रॉयल्स ने बराबरी के लिए लगातार हमले किए। लेकिन सूरमा की अनुशासित डिफेंस ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया। अंततः खरह सूरमा हॉकी क्लब ने 2-1 से जीत दर्ज कर सत्र की पहली जीत हासिल की।

देवनिका अस्पताल ने दो वर्षों में न्यूरो सर्जरी में बनाई अलग पहचान

GANDIV REPORTER

रांची। तुपुदाना स्थित देवनिका हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर की आज दूसरी वर्षगांठ है। इस अवसर पर मंगलवार को रांची प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता में अस्पताल के निदेशक डॉ अनंत सिन्हा ने अब तक की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी।

डॉ अनंत सिन्हा ने बताया कि शुरूआती दौर में कई आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा। लेकिन समर्पण और बेहतर इलाज की बदौलत आज देवनिका अस्पताल झारखंड में एक भरोसेमंद और आधुनिक स्वास्थ्य संस्थान के रूप में अपनी पहचान बना चुका है।

निदेशक ने बताया कि पिछले दो वर्षों में अस्पताल ने न्यूरो सर्जरी, कार्डियोलॉजी और ट्रॉमा सर्जरी के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। खासकर न्यूरो सर्जरी विभाग ने तेजी से विकास किया है। अस्पताल ने जटिल मामलों का सफल इलाज कर मरीजों का भरोसा बढ़ा है। दिल से जुड़ी बीमारियों (कार्डियोलॉजी) के इलाज में भी अस्पताल लोगों की पहली पसंद बन रहा है।

ट्रॉमा मरीजों के लिए एक छत के नीचे इलाज : देवनिका अस्पताल ने ट्रॉमा सर्जरी के लिए एक विशेष व्यवस्था तैयार की है, जहां न्यूरो, ऑर्थोपेडिक, प्लास्टिक और ट्रॉमा सर्जरी की सुविधाएं एक ही परिसर में उपलब्ध हैं। इससे सड़क दुर्घटना या गंभीर चोट के

मामलों में मरीजों को तुरंत और समन्वित इलाज मिल पा रहा है, जिससे इलाज का समय कम हुआ है और नतीजे बेहतर आए हैं।

ब्लड बैंक और एमआरआई सेवा चालू करने की तैयारी

डॉ अनंत सिन्हा ने प्रेस वार्ता में बताया कि जल्द ही अस्पताल में किडनी यूनिट शुरू की जाएगी और आगे चलकर किडनी ट्रांसप्लांट सेवा देने की भी योजना है। साथ ही न्यूरो रिहैबिलिटेशन को अस्पताल की प्रमुख सेवाओं में शामिल किया गया है, जिससे स्ट्रोक और न्यूरो सर्जरी के बाद मरीज तेजी से स्वस्थ हो सकें।

अस्पताल प्रबंधन ने कहा कि गायनेकोलॉजी समेत अन्य सर्जिकल विभागों में भी मरीजों की संख्या बढ़ रही है। आने वाले समय में अस्पताल में ब्लड बैंक खोला जाएगा।

राउंडटेबल इंडिया ने राँची पुलिस को सौंपे एक सौ हेल्मेट एवं पावर बैंक

GANDIV REPORTER

रांची। राउंडटेबल इंडिया के रांची सिटी चैप्टर रांची सामारिटन राउंड टेबल 244, ऐनकरेज राउंडटेबल 160, यूटोपियन राउंडटेबल 284 ने संयुक्त रूप से रांची ट्रैफिक पुलिस के जवानों के बीच एक सौ से अधिक हेल्मेट वितरित किए` ट्रैफिक पुलिस अधीक्षक राकेश सिंह, उपाधीक्षक प्रमोद केशरी, डीएसपी टू शिव प्रकाश जी, सरजेन्ट मेजर ओ पी दास, रीडर चंदन कुमार, विभाग के राकेश कुमार, अनिल टियू, संजय साहू, ललन कुमार, शंकर कुमार एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। राउंडटेबल रांची के अध्यक्ष आकाश खोसला, लेडीज सर्कल चेयरपर्सन शिखा खोसला, मीडिया प्रभारी पौरुष जैन, पीयूष सरावगी, नीतीश जैसवाल, आदित्य अग्रवाल, आदित्य कटारुका, अंकित धनधारिया, पूनम आनंद,

आयुष मोदी, हर्ष मोदी, वर्तिका राजगढ़िया, अर्पित जैन, विक्रांत छाबड़ा एवं अन्य सदस्यों की उपस्थिति एवं योगदान रहा।

सुरक्षा के दृष्टिकोण से बाइक दस्ता के ट्रैफिक जवानों को बेहतरीन गुणवत्ता के एक सौ हेलमेट एवं लक्ष्यम की पूनम आनंद द्वारा एक सौ पावर बैंक प्रदान किए गए। वहीं स्वास्थ के दृष्टिकोण से जवानों को बेसिक योगा ट्रेनिंग के नुस्खे सिखाए गए तथा योगा के बेहतर शारीरिक प्रभाव से अवगत कराया गया । मौके पर पुलिस जवानों के लिए योग एवं मेडिटेशन सेशन का आयोजन एक्सपर्ट ट्रेनर शंकर राणा एवं अमित कुमार द्वारा किया गया जिससे कि जवानों को मानसिक तनाव कम करने में मदद मिल सके। इससे पहले राउंड टेबल ने जवानों के लिए एक विशेष स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन पुलिस लाइन रांची में आयोजित किया था जिसमें जवानों ने अपने स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच निशुल्क करवायी थी।

सामाजिक सरोकार से जुड़ी अन्तर्राष्ट्रीय संस्था राउंड टेबल का मुख्य उद्देश्य फ्रीडम थ्रो एजुकेशन है जिसके अंतर्गत संस्था ने देश भर में दस हजार से अधिक क्लास रूम का निर्माण किया है।

विनय चौबे को बेल देने से हाईकोर्ट का इनकार

रांची। हजारीबाग जिले के डीसी रहते हुए सेवायत भूमि की अवैध ढंग से खरीद-बिक्री में शामिल होने के आरोपों में जेल में बंद आईएस अधिकारी विनय चौबे की जमानत याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट ने मंगलवार को फैसला सुना दिया है। सोमवार की सुनवाई के दौरान एसीबी और विनय चौबे की ओर से बहस एवं दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। मंगलवार को कोर्ट ने विनय चौबे की जमानत याचिका खारिज करते हुए उन्हें बेल देने से इनकार कर दिया है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की कोर्ट में इस मामले की सुनवाई चल रही है। विनय चौबे ने जिस मामले में हाईकोर्ट से बेल मांगी है उस मामले में अगस्त महीने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। एसीबी ने इस संबंध में कांड संख्या 9/2025 दर्ज की है।

देवेन्द्र नाथ महतो के जन्मदिन पर अनाथ बच्चों के बीच शिंक्षण सामाग्री वितरण

GANDIV REPORTER

मुरी। वर्तमान जेएलकेएम नेता देवेन्द्र नाथ महतो का जन्मदिन 5 जनवरी को झारखंड के विभिन्न जगहों में मनाया गया। उनके स्वास्थ्य, दीघार्यु और उज्वल भविष्य का कामना किया गया। सिमडेगा बानो, खूंटी, रांची , कांके, बुढ़मू, सिल्ली, ओरमांझी, सिकीदिरी इत्यादि जगहों पर देवेन्द्र नाथ महतो के समर्थक केक कटिंग करके जन्मदिन मनाया देविंद्र नाथ महतो महर्षि वाल्मीकि विकलांग एवं अनाथ कल्याण सेवा आश्रम, सहेदा, हरातु, सिकीदिरी रांची पहुंचकर अनाथ और विकलांग बच्चों के बीच कॉपी, कलम, पेंसिल, रबर, कटर इत्यादि शिक्षण सामग्री का वितरण कर समाज में साकारात्मक संदेश दियाअनाथ आश्रम संचालक मंगलदेव ने बताया कि हर व्यक्ति को देवेन्द्र नाथ महतो जैसा अपना जन्मदिन को यादगार बनाना चाहिए, आज शिक्षण सामग्री प्राप्त कर सभी अनाथ बच्चों का चेहरा खिल गया । देवेन्द्र नाथ महतो ने कहा कि आज हमारा झारखंड प्रदेश के हजारों माशूम अपने मां बाप के गोद में खेलने - कूदने के समय अनाथ हो जाते हैं उनके पालन-पोषण, देख - भाल, शिक्षा- दीक्षा के लिए कोई नहीं रहता है उनको भी शिक्षा का अधिकार है, आज अपने जन्मदिन पर शिक्षण सामग्री वितरण करते हुए अनाथ बच्चों के साथ अपना जन्मदिन मनाया जिससे मन अभिभूत हो गया, अनाथ बच्चों का भी शिक्षा का अधिकार है ये सभी कल के कर्णधार हैं, आने वाले दिनों में कोई भी अनाथ बच्चे शिक्षा से वंचित न हो इसको लेकर संघर्ष किया जायेगा। सबको शिक्षित करके ही झारखंड राज्य को आगे बढ़ाया जा सकता है।

ड्रंक एंड हिट मामले में ताबड़तोड़ छापेमारी, डीएसपी ने कहा

जल्द गिरफ्तार होंगे घटना में शामिल सभी आरोपी

GANDIV REPORTER

रांची। लालपुर इलाके में एक बार के बाहर हुए ड्रंक एंड हिट केस में आरोपियों की पहचान कर ली गई है। शराब के नशे में धुत आरोपियों ने गढ़वा के रहने वाले अंकित सिंह को अपने वाहन से कुचल कर मार डाला था। आरोपी रांची के बाहर के रहने वाले हैं। रांची पुलिस की एक टीम जिले के बाहर आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी कर रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द से जल्द आरोपी गिरफ्तार कर लिए जाएंगे। रांची के सिटी डीएसपी रमन ने बताया कि जल्द ही सभी आरोपी सलाखों के पीछे होंगे।

क्या है पूरा मामला : बता दें की रांची के लालपुर चौक के समीप कार सवार युवकों द्वारा गढ़वा के अंकित कुमार सिंह से मारपीट करने के बाद उस पर कार चढ़ाकर कुचल दिया। जिसके बाद अस्पताल में डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया है। घटना रविवार रात नौ बजे की है। मृतक अंकित गढ़वा के मझिआंव थाना क्षेत्र के हरिगांवा गांव के रहने वाले थे। अंकित अपने साथियों के साथ रांची के लालपुर स्थित एक बार में खाना खाने के लिए गए थे। इसी दौरान कुछ युवकों के साथ विवाद हो गया था।

विवाद के दौरान दोनों गुटों में गाली गलौज और मारपीट हुई। उसी बीच अंकित बार से बाहर निकले और सड़क के दूसरी तरफ खड़ी कार को आरोपियों द्वारा जान से मारने की नीयत से उस पर चढ़ा दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन फानन में अंकित को सदर अस्पताल से रिम्स ले जाया गया, जहां मौजूद चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मामले में अंकित के मामा सत्यप्रकाश सिंह ने गढ़वा थाना में जीरो एफआईआर दर्ज करायी है। दर्ज प्राथमिकी में पलामू के लेस्लीगंज निवासी राजमनी सिंह के पुत्र रमनदीप सिंह, रौशन गुप्ता, अंशुल, विक्की खान समेत चार-पांच अज्ञात को आरोपी बनाया गया है।

कहासुनी के बाद आरोपियों ने युवक को पीटा

सत्यप्रकाश की ओर से थाना में दिए गए आवेदन में कहा गया है कि वह अंकित और उसके दोस्त अर्णव उर्फ सेजल और आकाश कुमार के साथ रविवार की रात करीब नौ बजे रांची के लालपुर चौक के पास स्थित एक बार में खाना खाने गए थे। उसी दौरान वहां मौजूद एक दूसरे ग्रुप से विवाद हो गया। आरोप है कि बाहर निकलते समय उस ग्रुप के एक व्यक्ति ने अंकित की ओर इशारा करते हुए उसे गालियां दी। उसके बाद कहासुनी मारपीट में बदल गई। दूसरे ग्रुप के लोगों ने अंकित के साथ बेरहमी से मारपीट की, उससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसी दौरान सड़क के दूसरी तरफ खड़ी सफेद रंग की कार को जान से मारने की नीयत से अंकित पर चढ़ा दिया गया। घटना में आकाश भी गिर पड़ा और उसके दाहिने हाथ की हथेली में चोट आई। सत्यप्रकाश नें आरोप लगाया कि उसके बाद उसी कार से दोबारा अंकित को कुचल दिया और आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना के बाद अंकित को तत्काल सदर अस्पताल रांची ले जाया गया। वहां से उसे रिम्स रेफर किया गया था ।

चार दिन बाद भी लापता बच्चों का सुराग नहीं, धुर्वा में विशाल धरना

GANDIV REPORTER

रांची। जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मौसीबाड़ी खटाल से लापता 5 वर्षीय अंश और 4 वर्षीय अंशिका का अब तक कोई सुराग नहीं मिल सका है। चार दिन बीत जाने के बावजूद बच्चों की बरामदगी नहीं होने से आक्रोशित लोगों ने रविवार को धुर्वा शहीद मैदान के पास विशाल शांतिपूर्ण धरना दिया।

धरना दे रहे लोगों ने प्रशासन से बच्चों को जल्द से जल्द सुरक्षित बरामद करने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान पुलिस प्रशासन की कार्यशैली पर भी गंभीर सवाल उठाए गए। मौके पर मौजूद राष्ट्रीय जनता दल आरजेडी के नेता कैलाश यादव ने कहा कि चार दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं, जो बेहद चिंताजनक है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि बच्चों की जल्द बरामदगी नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

मुख्यमंत्री के खिलाफ अमर्यादित भाषा के विरोध में आदिवासी संगठनों का प्रदर्शन

निशा भगत पर दर्ज कराई शिकायत

GANDIV REPORTER

रांची। रांची के अरगोड़ा थाना में आज सैकड़ों की संख्या में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) तथा विभिन्न आदिवासी संगठनों के कार्यकर्ता और महिलाएं पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने निशा भगत के खिलाफ थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। मौके पर मौजूद महिलाओं और आदिवासी संगठनों के प्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि निशा भगत लगातार राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ अभद्र और अमर्यादित भाषा का प्रयोग कर रही हैं। उनका कहना है कि इस तरह के बयान देकर निशा भगत सस्ती लोकप्रियता हासिल करने का प्रयास कर रही हैं, जो समाज और आदिवासी समुदाय की भावनाओं को आहत करने वाला है।

प्रदर्शनकारियों ने पुलिस से निशा भगत के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने और उनकी शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, तो आदिवासी संगठन स्वयं आंदोलन और विरोध के लिए बाध्य होंगे। इस मौके पर पदमा बड़ाईक,अंशु लकड़ा, कुमुदिनी, अर्पणा निर्मला, किशोरी लूसिया, सुषमा हेमरोम, सहित आदि लोग उपस्थित थे।

बिरसा मुंडा जेल में कैदियों के नाचते वीडियो मामले में हाइकोर्ट ने पूछा

जेल आईजी व सुपरिटेंडेंट पर क्या कार्रवाई हुई

GANDIV REPORTER

रांची। बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार होटवार में बंद कैदियों का डांस करते हुए वीडियो वायरल होने से जुड़ी खबरों पर संज्ञान से दर्ज जनहित याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सोमवार की सुनवाई के दौरान कोर्ट जेल प्रशासन और राज्य सरकार के जवाब से बिल्कुल भी संतुष्ट नहीं दिखा। अदालत ने सरकार द्वारा दाखिल किए गए हलफनामे को अधूरा माना और कहा कि केवल निचले स्तर के कर्मचारियों (वार्डर या सहायक जेलर) को सस्पेंड करना काफी नहीं है।

चीफ जस्टिस की खंडपीठ ने पूछा कि जेल की सुरक्षा में इतनी बड़ी चूक के लिए जेल अधीक्षक और जेल महानिरीक्षक की जवाबदेही तय क्यों नहीं की गई।

कोर्ट ने बेहद सख्त लहजे में कहा कि अगर जेल के अंदर मोबाइल और इंटरनेट उपलब्ध है, तो यह पूरी न्याय व्यवस्था और सुरक्षा के लिए खतरा है।

हाई कोर्ट ने अब राज्य सरकार को दो सप्ताह के भीतर एक सप्लीमेंट्री रिपोर्ट जमा करने को कहा है, जिसमें यह जानकारी मांगी गई है कि जेल के अंदर मोबाइल जैमर काम कर रहे थे या नहीं? क्या जेल के सीसीटीवी फुटेज में उन बाहरी लोगों या कर्मचारियों की पहचान हुई है जिन्होंने कैदियों को यह सुविधाएं उपलब्ध कराईं? जेल प्रशासन ने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए क्या फुलप्रूफ प्लान बनाया है? कोर्ट ने संकेत दिया है कि अगर अगली सुनवाई तक ठोस जवाब और बड़े अधिकारियों पर कार्रवाई की जानकारी नहीं दी गई, तो कोर्ट इस मामले की जांच के लिए एक स्वतंत्र उच्च स्तरीय कमेटी का गठन कर सकता है।

लोक भवन में सैनिक कल्याण निदेशालय की 17वीं प्रबंध कमिटी की बैठक

अग्निवीरों को पुलिस बल सहित अन्य सुरक्षा एवं सेवा क्षेत्रों में अवसर प्रदान का विचार हो

GANDIV REPORTER

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार की अध्यक्षता में आज लोक भवन में सैनिक कल्याण निदेशालय की 17वीं प्रबंध कमिटी की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में राज्यपाल ने कहा कि पूर्व सैनिकों तथा शहीदों के आश्रितों के हितों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और उनके कल्याण से जुड़े विषयों पर प्रत्येक परिस्थिति में संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जाना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने दीपाटोली स्थित झारखण्ड युद्ध स्मारक को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के निदेश दिए। साथ ही उन्होंने परमवीर चक्र से सम्मानित शहीद लांसनायक अल्बर्ट एक्का के पैतृक ग्राम को आदर्श ग्राम के रूप में विकसित किए जाने पर बल देते हुए वहाँ अतिशीघ्र भ्रमण करने की भी बात कही। राज्यपाल ने कहा कि वे राज्यहित के लिए सदैव उपलब्ध हैं तथा यदि किसी के पास राज्य के हित से संबंधित कोई सुझाव हो, तो वह कभी भी मेरे पास आ सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वे चाहते हैं कि इस क्षेत्र की एक विशिष्ट और प्रेरणादायी पहचान स्थापित हो। यहीं से हमारे केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री भी आते हैं और कोई भी अच्छी योजनाओं से उन्हें अवगत करा सकते हैं।

उक्त अवसर पर राज्य में एक और सैनिक विद्यालय खोलने पर भी गहन विचार-विमर्श हुआ। सैनिक कल्याण निदेशालय द्वारा सैनिक विद्यालय गोड्डा में खोलने का प्रस्ताव रखा गया। इसके अतिरिक्त, देश की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीदों के आश्रितों को दी जाने वाली सहायता राशि में वृद्धि किए जाने पर भी विमर्श किया गया।

बैठक में राज्यपाल ने कहा कि राज्य के कितने अग्निवीर सेवा से वापस आए हैं, इसका समुचित आकलन किया जाना चाहिए। उन्होंने निदेश दिया कि इन अग्निवीरों को राज्य पुलिस बल सहित अन्य सुरक्षा एवं सेवा क्षेत्रों में अवसर प्रदान करने की संभावनाओं पर गंभीरतापूर्वक विचार किया जाए। राज्यपाल ने यह भी निदेश दिया कि जब सैनिक अवकाश पर राज्य में आते हैं और उनके कुछ निजी अथवा प्रशासनिक कार्य लंबित रहते हैं, तो ऐसे मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। बैठक में यह भी कहा गया कि झारखण्ड के जनजातीय समुदायों में सैन्य सेवा के प्रति विशेष रुचि देखने को मिलती है। इस दिशा में जनजातीय युवाओं के लिए एक समर्पित प्रशिक्षण केंद्र खोलने पर विचार किया जाना चाहिए, ताकि उन्हें सैन्य सेवाओं में बेहतर अवसर प्राप्त हो सकें। बैठक में यह उल्लेख किया गया कि सैनिक मार्केट का निर्माण लगभग चार दशक पूर्व हुआ था तथा वहाँ सैनिक थियेटर भी स्थित है। इन परिसरों के पुनर्निर्माण एवं विकास हेतु जुडको के सहयोग से कार्य कराने के संबंध में अवगत कराया गया। इसके साथ ही झारखण्ड में ईएसएम कॉर्पोरेशन फंड को अन्य राज्यों के मॉडल का अध्ययन कर अधिक प्रभावी बनाए जाने पर भी चर्चा की गई। बैठक में राज्य के मुख्य सचिव श्री अविनाश कुमार, राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव डॉ० नितिन कुलकर्णी, अपर मुख्य सचिव, गृह एवं कारा श्रीमती वंदना दादेल, वित्त सचिव श्री प्रशांत कुमार, जी०ओ०सी० 23 इन्फेंट्री डिवीजन के मेजर जनरल श्री सज्जन सिंह मान सहित वरीय सैन्य अधिकारीगण एवं निदेशालय के पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

राज्यपाल से मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने की भेंट

GANDIV REPORTER

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से आज लोक भवन में राज्य के मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने भेंट कर नूतन वर्ष की शुभकामनाएँ दीं। राज्यपाल ने भी उन्हें नूतन वर्ष की शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर राज्यपाल ने उन्हें राज्यहित में और सक्रिय होकर पूर्ण प्रतिबद्धता एवं समनव्य के साथ कार्य करने हेतु कहा, ताकि राज्य के विकास को तेज गति मिल सके।

इस अवसर पर उन्होंने राज्य में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं से संबंधित विषयों पर भी चर्चा की।

श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर का प्रथम स्थापना दिवस भव्यता के साथ संपन्न

श्री राधा कृष्ण मंदिर देख वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर हुए भाव विभोर, ग्रामीणों के बीच कंबल का वितरण

GANDIV REPORTER

रांची। राजधनी रांची के पुंदाग स्थित श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित झारखंड के सबसे बड़े श्री राधा कृष्ण प्रणामी मंदिर का प्रथम स्थापना दिवस अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और सेवा भाव के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर मंदिर परिसर पूरी तरह भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में भगवान श्री राधा रानी एवं श्री कृष्ण जी का अलौकिक एवं दिव्य श्रृंगार किया गया, जिसे देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में भजन- कीर्तन एवं संकीर्तन का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें भक्तों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। भक्ति संगीत की मधुर ध्वनि से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो उठा। कार्यक्रम के दौरान 101 किलो केसरिया खीर एवं बुंदिया का प्रसाद तैयार कर श्रद्धालुओं एवं आगंतुकों के बीच वितरण किया गया। प्रसाद वितरण की व्यवस्था अत्यंत सुव्यवस्थित एवं अनुशासित रही। सेवा और सामाजिक सरोकार को केंद्र में रखते हुए इस अवसर पर ट्रस्ट की ओर से आसपास के 200 जरूरतमंद ग्रामीणों के बीच कंबल का वितरण भी किया गया। ठंड के मौसम में यह पहल जरूरतमंदों के लिए बड़ी राहत साबित हुई। ग्रामीणों ने ट्रस्ट के इस सेवा कार्य की भूरी-भूरी प्रशंसा की और आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झारखंड सरकार के वित्त मंत्री श्री राधा कृष्ण किशोर रहे। जैसे ही उन्होंने भव्य और सुसज्जित मंदिर के दर्शन किए, वे भावविभोर हो गए। मंदिर की वास्तुकला, स्वच्छता, अनुशासन और आध्यात्मिक वातावरण ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया। इस अवसर पर श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट की ओर से पुजारी पंडित अरविंद पांडे एवं ट्रस्ट अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल ने वित्त मंत्री को अंग वस्त्र एवं पुष्प गुच्छ देकर एवं श्री राधा कृष्ण का प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इसके पश्चात वित्त मंत्री ने मंदिर के ऊपरी तल्ले में ट्रस्ट द्वारा संचालित दिव्यांग एवं निराश्रितों के लिए स्थापित सद्गुरु कृपा अपना घर आश्रम का भी भ्रमण किया। वहां रह रहे दिव्यांगों और निराश्रितों के लिए की जा रही सेवा, देखभाल और व्यवस्थाओं को देखकर वे अत्यंत प्रभावित हुए। उन्होंने ट्रस्ट के सेवा भाव की सराहना करते हुए कहा कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की सेवा ही सच्ची सेवा है।

वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने आश्रम एवं मंदिर से जुड़ी सेवा गतिविधियों के लिए हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे संस्थान समाज को सकारात्मक दिशा देते हैं और सरकार सदैव इनके साथ खड़ी रहेगी। कार्यक्रम का संचालन ट्रस्ट के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने करते हुए मंदिर एवं सद्गुरु अपना घर आश्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। ट्रस्ट के सचिव मनोज चौधरी ने कहा कि प्रथम स्थापना दिवस के इस भव्य आयोजन ने न केवल धार्मिक आस्था को सुदृढ़ किया, बल्कि सेवा, करुणा और सामाजिक समरसता का भी सुंदर संदेश दिया। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, निर्मल जालान, मनोज चौधरी, पूरणमल सर्राफ, शिव भगवान अग्रवाल, दीपेश निराला,विष्णु सोनी, सुरेश भगत, अंजनी अग्रवाल, ज्ञान प्रकाश शर्मा, सहित बड़ी संख्या में महिलाएं पुरुष उपस्थित थे।

पंचायतों के फरमान पर परंपरा बनाम अधिकार की टकराती बहस

देवेंद्र सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

“ हाल ही में राजस्थान के जालोर जिले की सुंधामाता पट्टी में चौधरी समाज की पंचायत ने जब 15 गांवों की बहू-बेटियों के लिए स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर रोक लगाने का फरमान जारी किया, जिसे २६ जनवरी २०२६ से लागू किया जाना था। लेकिन पंचायत के फैंसले के साथ ही पूरे प्रदेश में एक नई बहस छिड़ गई। पंचायत के आदेश को महिला विरोधी माना जा रहा था। इस फैसले में महिलाओं को न केवल घर से बाहर मोबाइल ले जाने से रोका गया।

देश के अलगझअलग हिस्सों में पंचायतों और खापों की ओर से समाजहित के नाम पर जारी किए जा रहे फरमान एक बार फिर राष्ट्रीय बहस का विषय बन गए हैं। कोई इन्हें परंपरा, अनुशासन और सामाजिक मूल्यों की रक्षा का प्रयास मान रहा है, तो कोई इन्हें महिलाओं और युवाओं की आजादी पर सीधा हमला बता रहा है। हाल ही में राजस्थान के जालोर और उत्तर प्रदेश के बागपत से सामने आए दो मामले इस टकराव की स्पष्ट तस्वीर पेश करते हैं। हालांकि पंचायतों द्वारा सामाजिक निर्देश जारी करना कोई नई बात नहीं है, लेकिन इस बार लिए गए फैसलों का केंद्र बच्चों का भविष्य, शिक्षा और संस्कार बताए जा रहे हैं, जिसने बहस को और गहरा कर दिया है। हाल ही में राजस्थान के जालोर जिले की सुंधामाता पट्टी में चौधरी समाज की पंचायत ने जब 15 गांवों की बहू-बेटियों के लिए स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर रोक लगाने का फरमान जारी किया, जिसे 26 जनवरी 2026 से लागू किया जाना था। लेकिन पंचायत के फैंसले के साथ ही पूरे प्रदेश में एक नई बहस छिड़ गई। पंचायत के आदेश को महिला विरोधी माना जा रहा था। इस फैसले में महिलाओं को न केवल घर से बाहर मोबाइल ले जाने से रोका गया, बल्कि सार्वजनिक समारोहों, शादियों और यहां तक कि पड़ोसी के घर जाते समय भी स्मार्ट फोन साथ रखने पर पाबंदी लगा दी गई। महिलाओं को केवल सामान्य की-पैड फोन (बातचीत के लिए) इस्तेमाल करने की अनुमति दी गई थी। यह फरमान सामने आते ही महिला संगठनों, सामाजिक कार्यकताओं और शहरी वर्ग ने इसे महिलाओं की स्वतंत्रता और आधुनिक जीवनशैली पर सीधा हमला बताया।

दूसरी ओर पंचायत से जुड़े लोगों का कहना था कि यह निर्णय महिलाओं को नियंत्रित करने के लिए नहीं, बल्कि बच्चों और परिवारों को मोबाइल की लत से बचाने के उद्देश्य से लिया गया था। पंचायत के सदस्यों कहना है कि यह निर्णय महिलाओं की शिकायत के आधार पर लिया गया था, जिसमें कहा गया था कि बच्चे स्कूल से आने के बाद अत्यधिक समय मोबाइल पर बिताते हैं, जिससे उनकी पढ़ाई और स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है। उनका तर्क था कि मोबाइल फोन के अत्यधिक इस्तेमाल से बच्चों पर बुरा असर पड़ रहा है और परिवारों में संवाद कम होता जा रहा है। हालांकि विरोध इतना तेज हुआ कि पंचायत को अपना निर्णय वापस लेना पड़ा। पंचायत अध्यक्ष सुजनाराम चौधरी ने स्पष्ट किया कि फैसले को गलत अर्थों में लिया गया और चूंकि यह समुदाय को स्वीकार्य नहीं था, इसलिए इसे रद्द कर दिया गया।

भले ही जालोर में पंचायत को अपने कदम पीछे खींचने पड़े, लेकिन इस घटना ने एक अहम सवाल खड़ा कर दिया–क्या पंचायत का फैसला पूरी तरह गलत था या बच्चों के हित में लिए गए निर्णय के उद्देश्य को समाज ठीक से समझ नहीं पाया? यही सवाल उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में भी उठ रहा है, जहां खाप पंचायत के फैसलों ने नई बहस छेड़ दी है।

उधर बागपत में खाप पंचायत ने 18 वर्ष से कम उम्र के लड़के-लड़कियों के लिए स्मार्टफोन के इस्तेमाल पर रोक लगाने के साथ-साथ लड़कों और लड़कियों दोनों के हाफ-पैंट (शॉर्ट्स) पहनने को भी अनुचित बताते हुए प्रतिबंध की बात कही है। पंचायत का दावा है कि यह कदम पश्चिमी प्रभाव से संस्कृति की रक्षा, सामाजिक अनुशासन बनाए रखने और बच्चों को भटकाव से बचाने के लिए उठाया गया है। खाप नेताओं का कहना है कि मोबाइल फोन बच्चों के जीवन में पढ़ाई से ध्यान भटकाने वाला सबसे बड़ा कारण बन गया है। पंचायत के अनुसार, मोबाइल गेम, सोशल मीडिया और अनियंत्रित इंटरनेट सामग्री बच्चों की एकाग्रता को कमजोर कर रही है। गांवों में ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं, जहां मोबाइल के कारण बच्चे पढ़ाई से दूर हुए, परिवार की बात मानना बंद किया और अनुशासनहीनता बढ़ी। पंचायत ने यह भी चेतावनी दी है कि आदेश का उल्लंघन करने पर पहले समझाइश, फिर जुमार्ना और जरूरत पड़ने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। पंचायत समर्थकों का मानना है कि यह सख्ती बच्चों को सही दिशा में लाने के लिए जरूरी है।

पंचायत अपने फैसलों के समर्थन में यह भी दलील दी गई कि ग्रामीण इलाकों में डिजिटल साक्षरता और अभिभावकीय निगरानी सीमित है। ऐसे में मोबाइल फोन बच्चों के लिए शिक्षा का साधन बनने के बजाय मनोरंजन और भटकाव का कारण बन रहा है। पंचायत का कहना है कि मोबाइल पर रोक लगाकर बच्चों को फिर से पढ़ाई, खेलकूद और पारिवारिक मूल्यों की ओर लौटाया जा सकता है। बताया जा रहा है कि यह निर्णय महिलाओं की शिकायतों के बाद लिया गया, जिनका कहना था कि बच्चे स्कूल से लौटने के बाद घंटों मोबाइल में उलझे रहते हैं और न तो बाहर खेलते हैं, न ही घर के कामों में रुचि दिखाते हैं।

राजनीतिक स्तर पर भी इस मुद्दे पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। आरएलडी के बागपत सांसद राजकुमार सांगवान और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता चौधरी यशपाल सिंह ने माना कि सामाजिक मूल्यों की रक्षा आज की आवश्यकता है और खाप पंचायतें अपने तरीके से समाज को अनुशासन में रखने की कोशिश कर रही हैं। हालांकि दोनों नेताओं ने यह भी स्वीकार किया कि ऐसे फैसलों से पहले समाज को भरोसे में लेना और व्यापक संवाद करना जरूरी है, ताकि विरोध और गलतफहमियां न पनपें।

वहीं दूसरी ओर, विशेषज्ञों और सामाजिक कार्यकताओं का मानना है कि ऐसे फरमान संवैधानिक अधिकारों के दायरे में नहीं आते। भारतीय संविधान नागरिकों को व्यक्तिगत स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति और जीवनशैली चुनने का अधिकार देता है। आलोचकों का तर्क है कि मोबाइल रखना या पहनावे का चयन किसी व्यक्ति का निजी अधिकार है, जिसे कोई भी सामाजिक समूह कानून के बिना सीमित नहीं कर सकता। उनका कहना है कि बच्चों को मोबाइल से दूर रखने का समाधान प्रतिबंध नहीं, बल्कि सही मार्गदर्शन, डिजिटल शिक्षा और अभिभावकों की सक्रिय भूमिका है।

विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि बच्चों के भविष्य और मानसिक विकास को लेकर पंचायतों की चिंता पूरी तरह गलत नहीं है। मोबाइल की लत, ऑनलाइन कंटेंट और सोशल मीडिया का असर वास्तव में बच्चों के व्यवहार और पढ़ाई पर पड़ रहा है। लेकिन सवाल यह है कि क्या इसका समाधान सख्त सामाजिक फरमान हैं या फिर जागरूकता, शिक्षा और संवाद के जरिए संतुलन बनाना अधिक प्रभावी होगा।

जालोर और बागपत के ये मामले साफ दिखाते हैं कि भारतीय समाज आज भी परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन खोजने की जद्दोजहद में है। एक ओर ग्रामीण और परंपरागत समुदाय अपनी सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक अनुशासन को बचाने की कोशिश कर रहे हैं, तो दूसरी ओर नई पीढ़ी और शहरी समाज व्यक्तिगत स्वतंत्रता और संवैधानिक अधिकारों को प्राथमिकता दे रहा है। चिंता बच्चों के भविष्य, शिक्षा और संस्कारों को लेकर जायज है, लेकिन इन चिंताओं के समाधान किस रास्ते से निकाले जाएं–यही असली बहस है।

बच्चों की मानसिक सेहत एक अनदेखा संकट

डॉ सुनिधि मिश्रा

भारत में बचपन अब केवल उम्र का एक पड़ाव नहीं रहा, बल्कि निरंतर दबाव का अनुभव बनता जा रहा है। जिस उम्र में बच्चे खेलते हैं, सवाल पूछते हैं और दुनिया को समझने की कोशिश करते हैं, उसी उम्र में वे प्रदर्शन, प्रतिस्पर्धा और अपेक्षाओं की कसौटी पर तौले जा रहे हैं। शिक्षा, जो कभी विकास का माध्यम थी, अब कई बच्चों के लिए चिंता और डर का स्रोत बन गई है। इस पूरे बदलाव में सबसे ज्यादा उपेक्षित मुद्दा है–बच्चों की मानसिक सेहत। २०२५ में स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा संसद में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, भारत के १३ से १७ वर्ष के लगभग ७.३ प्रतिशत किशोर किसी न किसी मानसिक स्वास्थ्य विकार से प्रभावित पाए गए हैं। यह आंकड़ा कागज पर भले छोटा लगे, लेकिन इसका अर्थ है कि हर स्कूल, हर कक्षा और हर मोहल्ले में ऐसे बच्चे मौजूद हैं जो भीतर ही भीतर संघर्ष कर रहे हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक है, क्योंकि मानसिक समस्याओं को आज भी खुलकर स्वीकार नहीं किया जाता।

२०२५ में ही तेलंगाना और कर्नाटक के स्कूलों में किए गए एक बड़े सर्वे में सामने आया कि लगभग 24 प्रतिशत बच्चों में गंभीर मानसिक तनाव के लक्षण थे। इनमें से ६ से १० प्रतिशत बच्चों को तत्काल परामर्श और उपचार की आवश्यकता बताई गई। यह स्थिति किसी एक राज्य या वर्ग तक सीमित नहीं है; यह पूरे देश में फैलता हुआ संकट है। फर्क बस इतना है कि कहीं यह शोर बनकर सामने आता है और कहीं खामोशी में दबा रह जाता है। इस संकट का सबसे बड़ा कारण है शैक्षणिक दबाव। आज बच्चों की योग्यता का मूल्यांकन उनके अंकों, रैंक और तुलना से किया जाता है। ह्लअच्छा बच्चाह्व वही माना जाता है जो बेहतर परिणाम दे सके। असफलता का डर, माता-पिता की अपेक्षाएँ और सामाजिक तुलना बच्चों के मन में स्थायी तनाव पैदा कर रही हैं। परीक्षा अब ज्ञान की जाँच नहीं, बल्कि मानसिक सहनशक्ति की परीक्षा बनती जा रही है। कई बच्चे इसी डर में अपनी नींद, रुचियाँ और आत्मविश्वास खो बैठते हैं।

इस शैक्षणिक दबाव के साथ-साथ डिजिटल दुनिया ने बच्चों की मानसिक दुनिया को और जटिल बना दिया है। २०२५ में प्रकाशित एक राष्ट्रीय सर्वे के अनुसार, भारत में ६० प्रतिशत से अधिक बच्चे रोज तीन घंटे से अधिक समय स्क्रीन पर बिताते हैं। सोशल मीडिया बच्चों के सामने एक ऐसी दुनिया रखता है, जहाँ सब कुछ सुंदर, सफल और परिपूर्ण दिखता है। इस निरंतर तुलना में बच्चा स्वयं को अधूरा और असफल महसूस करने लगता है। धीरे-धीरे यह भावना आत्म-सम्मान को कमजोर करती है और चिंता व अवसाद को जन्म देती है। मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं कि अत्यधिक स्क्रीन-टाइम का सीधा संबंध एकाग्रता में कमी, चिड़चिड़ापन, नींद की समस्या और सामाजिक अलगाव से है। लेकिन विडंबना यह है कि इन संकेतों को अक्सर ह्लमोबाइल की लतह्व या ह्लअनुशासन की कमीह्व कहकर टाल दिया जाता है, जबकि असल समस्या कहीं गहरी होती है।

घरेलू वातावरण भी बच्चों की मानसिक सेहत पर गहरा असर डालता है। पारिवारिक तनाव, आर्थिक दबाव, माता-पिता के बीच तनाव या अत्यधिक नियंत्रण–ये सभी बच्चे के मन में असुरक्षा पैदा करते हैं। २०२५ में उत्तराखंड में हुए भारत के पहले समुदाय-आधारित सर्वे में सामने आया कि ३५००० से अधिक बच्चे और किशोर मानसिक विकारों, व्यवहारिक समस्याओं और विकास संबंधी चुनौतियों के साथ जीवन जी रहे हैं। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि मानसिक स्वास्थ्य संकट केवल महानगरों की समस्या नहीं, बल्कि गाँवों और कस्बों तक फैला हुआ है। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि भारत में ८० से ९० प्रतिशत मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे बच्चों को कोई पेशेवर सहायता नहीं मिल पाती। मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, प्रशिक्षित काउंसलरों का अभाव और सामाजिक कलंक इस समस्या को और गंभीर बना देते हैं। कई परिवार आज भी मानसिक परेशानी को कमजोरी या बदतमीजी मान लेते हैं। परिणामस्वरूप बच्चा अकेला पड़ जाता है। यह अकेलापन ही सबसे खतरनाक है। जब बच्चा अपनी भावनाओं को व्यक्त नहीं कर पाता, जब उसकी चिंता को गंभीरता से नहीं लिया जाता, तब वह भीतर-ही-भीतर टूटने लगता है।

झारखंड

धनबाद में बिजली संकट होगा खत्म, बनेंगे पांच नए पावर ग्रिड

GANDIV REPORTER

धनबाद। जिले की बढ़ती आबादी व कल करखाने, उद्योग, व्यवसायों को आने वाले समय में बिजली संकट की सामना नहीं करना पड़ेगा। लोगों को भी पर्याप्त बिजली आपूर्ति की जाएगी। इससे लोगों को काफी राहत होगी। इसके लिए धनबाद में पांच ग्रिड बनाए जाएंगे। इनमें से एक ग्रिड का काम चालू हो गया। शेष चार ग्रिड बनाने के लिए टेंडर निकाल कर फाइनल होने के करीब है। बता दें कि जिले में दो ग्रिड बन कर तैयार हैं। पांच ग्रिड और बनने से यह संख्या सात हो जाएगी।

विभागीय अधिकारी का कहना है कि सबकुछ ठीक रहा तो तीन साल में ग्रिड बनकर तैयार हो जाएगा। इसमें कनेक्शन जोड़कर क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की जाएगी। इससे लोगों को राहत मिलेगी।

बिजली विभाग की ओर से पिछले साल निरसा, सिंदरी, धनबाद और टुंडी में ग्रिड बनाने के लिए जमीन चिह्नित कर प्रस्ताव जेबीवीएनएल मुख्यालय भेजा गया था। इसकी मंजूरी मिलने के बाद टेंडर निकाला गया। जो अब फाइनल होने के करीब है। टेंडर आंवटन होने के बाद काम शुरू किया जाएगा। पूरा होने के बाद बिजली विभाग की ओर से पर्याप्त बिजली आपूर्ति की जाएगी। बेलगड़िया (बलियापुर) में ग्रिड बनाने का काम जारी है।

काम पूरा होने के बाद धनबादवासियों को आने वाले समय में बिजली संकट से पूरी तरह से राहत मिलेगी। इसके अलावा धनबाद डीवीसी की बिजली से पूरी तरह से बाहर हो जाएगा।

पलामू कोर्ट परिसर के बिजली पैनल में लगी आग, हादसा टला

GANDIV REPORTER

पलामू। पलामू व्यवहार न्यायालय (कोर्ट) परिसर स्थित मुख्य भवन के बिजली पैनल में आग लग गई। आग लगने की खबर से कोर्ट परिसर में अफरा-तफरी मच गई।

मौके पर मौजूद न्यायालय कर्मियों व अन्य लोगों ने फायर सेफ्टी के छोटे अग्निशमन सिलेंडर (फायर एक्सटिंग्विशर) की मदद से आग को बुझाने का प्रयास किया और अग्निशमन विभाग को भी घटना की सूचना दी गई।सूचना पाकर दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची और समय रहते आग पर काबू पा लिया, जिससे कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ और एक बड़ा हादसा टल गया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

रामगढ़ में बालू कारोबारी के घर फायरिंग, दहशत में लोग

GANDIV REPORTER

रामगढ़। जिला में कुज्जू थाना क्षेत्र के नया मोड़ सीसीएल अस्पताल के सामने बालू घाटों का टेंडर लेने वाले गुरुदेव ट्रेडिंग के प्रोपराइटर डब्बू सिंह के आवास पर फायरिंग हुई है। सोमवार देर रात बाइक से आये अज्ञात अपराधियों ने घर के परिसर में घुसकर कई राउंड फायरिंग की और फरार हो गए। घटना के समय कारोबारी पूरे परिवार के साथ घर में मौजूद थे। जानकारी मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंच पूरे मामले की तहकीकात कर रही है। सीसीटीवी को खंगाला जा रहा है। अपराधियों द्वारा की गयी फायरिंग से घर की खिड़की, गाड़ी और गेट पर गोलियों के निशान बन गये हैं। इस वारदात से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। लोग पुलिस से अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। पीड़ित कारोबारी डब्बू सिंह ने कहा कि राहुल दूबे द्वारा लंबे समय से उन्हें धमकियां दी जा रही थीं। पूरे जिला का बालू घाटों का टेंडर उनकी कंपनी को मिला है। जबकि बालू घाट से संबंधित मामला कोर्ट में भी चल रहा है 13 जनवरी को फैसला आएगा। जिसके बाद कागजी कार्रवाई के बाद संचालन होगा।

पीड़ित ने बताया कि राहुल दूबे गैंग द्वारा बालू कारोबार चलाने के एवज में प्रति सीएफटी पांच रुपये की मांग की जा रही थी। जब इस अवैध मांग को मानने से उन्होंने इनकार किया तो अपराधियों ने उनके घर में गोलीबारी की वारदात की अंजाम दिया है। घटना के बाद दोबारा फोन कर कहा कि अब भी नहीं माने तो अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहना। वहीं अपराधियों ने मौके पर परचा फेंक कर गोलीबारी की जिम्मेदारी ली है। कारोबारी डब्बू सिंह ने पुलिस को बताया कि उन्हें पहले भी कई बार जान से मारने की धमकी दी जा चुकी है।

इस घटना की सूचना मिलते ही एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

पूरनचंद फाउंडेशन का आंगनबाड़ियों में बच्चों के लिए शिक्षा व खेलकूद कार्यक्रम

GANDIV REPORTER

चाईबासा। पूरनचंद फाउंडेशन की तरफ से समय-समय पर जनकल्याण के काम किए जाते हैं। इसी कड़ी में फाउंडेशन की टीम हॉर्टिकल्चर ने पश्चिमी सिंहभूम जिले के खुदसिंगी और कुंतला गांव की आंगनबाड़ियों में बच्चों के लिए खास कार्यक्रम आयोजित किया।

इस कार्यक्रम का मकसद बच्चों को शिक्षा का महत्व, खेलकूद की उपयोगिता और झारखंड की संस्कृति और परंपराओं से परिचित कराना था। कार्यक्रम में बच्चों को सरल भाषा और रोचक तरीके से पढ़ाया गया। टीम ने वर्णमाला, संख्या, नैतिक शिक्षा और स्वच्छता जैसे विषय खेल-खेल में सिखाए। बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए क्वीज और ग्रुप एक्टिविटी भी कराई गई।

खेलकूद सत्र में पारंपरिक और शारीरिक विकास से जुड़े खेल भी कराए गए। इसके माध्यम से बच्चों को टीमवर्क, अनुशासन और स्वस्थ जीवनशैली का महत्व समझाया गया। साथ ही उन्हें पौधों, पर्यावरण संरक्षण और हरियाली के महत्व के बारे में बताया गया और प्रकृति से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। झारखंड की संस्कृति पर भी विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बच्चों को लोकगीत, लोकनृत्य और परंपराओं के बारे बताकर उन्हें अपनी संस्कृति से जोड़ने का प्रयास किया गया।

पूरनचंद फाउंडेशन के सचिव अभिजीत कुमार ने कहा कि फाउंडेशन का उद्देश्य बच्चों का सर्वांगीण विकास करना है, जिसमें शिक्षा, खेल, संस्कृति और पर्यावरण सभी शामिल हैं। आंगनबाड़ी कार्यकताओं और ग्रामीणों ने फाउंडेशन की इस पहल की सराहना की और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन की अपेक्षा जताई। कार्यक्रम में पूरनचंद फाउंडेशन टीम हॉर्टिकल्चर के सदस्य प्रज्ञेश, सुकांत, तुषार, प्रेम, अंकित, जोया, स्मृति एवं रेणु सक्रिय रूप से उपस्थित रहे।

RNI NO : JHABIL/2019/85684, Printed and Published by SHREE KANT SINGH on behalf of M/s PAHARI BABA VENTURES PVT LTD and Printed at KHABAR MANTRA PRESS, M/s VRINDA MEDIA PUBLICATIONS PVT LTD, Plot no-342,344 Chiroundi, Boreya Road, Ranchi, Jharkhand-834008 and Published at B-13, JP Market, Dhurwa, Ranchi-834004, Jharkhand, Ph.-06207706623. Editor- **Amarkant*** responsible for selection of news under the PRB Act.

कड़ाके की ठंड में ऐसे गर्म करें अपने रजाई और कंबल, रात भर मिलेगी चैन की नींद

सर्दियों ने आखिरकार अब अपना रंग दिखाना शुरू कर ही दिया है। धीरे-धीरे मौसम में ठंड और भी तेजी से बढ़ रही है। खासतौर से रात के समय तो सर्द हवाओं का कहर इतना ज्यादा है कि रजाई से बाहर निकलने की सोचना भी मानों किसी जंग लड़ने से कम नहीं। कभी ना कभी आपके साथ भी ऐसा हुआ होगा कि रात को गर्म कपड़े निकालकर जैसे ही रजाई में पहुंचे, तो ठंडी-ठंडी रजाई मानों काटने को दौड़ पड़ी। कई बार तो काफी देर के बाद भी रजाई ज्यों की त्यों ठंडी ही बनी रहती है और सर्द हवा अंदर आती रहती है। ऐसे में नींद आना तो बिल्कुल मुमकिन नहीं और ऊपर से सेहत के लिए भी ये बिल्कुल ठीक नहीं। तो बस आज इसी समस्या को हल करने के लिए हम आपको कुछ छोटी-छोटी टिप्स बताने वाले हैं, जो आपकी रजाई को गर्म रखने में मदद करेंगी।

सही ढंग से ओढ़ें रजाई या कंबल

जब पहली बार हम बिस्तर पर पड़ी रजाई में लेटते हैं, तो वो बिल्कुल बर्फ सी ठंडी पड़ी रहती है। अक्सर हम सीधा रजाई में घुस जाते हैं, जो बिल्कुल भी सही तरीका नहीं है। अगर आप रजाई में लेट रहे हैं तो उसे पूरे बेड पर फैलाने की जगह, खुद को रजाई में अच्छे से लपेट लें। इस तरीके से आपकी रजाई जल्दी गर्म होगी और यह गर्माहट सुबह तक बनी रहेगी। बाहर की ठंडी हवा भी रजाई में आसानी से नहीं घुस पाएगी।

इस बात का भी रखें ध्यान

आपने नोटिस किया होगा कि अक्सर अकेले सोने पर ठंड ज्यादा लगती है। ऐसे में आप या तो किसी के साथ सो सकते हैं लेकिन अगर कोई नहीं भी है तो एक आसान सी ट्रिक आजमाकर भी आप रजाई में गर्माहट बना सकते हैं। इसके लिए बस अपने आसपास की खाली जगह को तकियों या बचे हुए किसी कंबल से भर दें। इससे आपकी रजाई बहुत ही जल्दी गर्म होगी और और आपको नींद भी अच्छी आएगी।

कहीं से ना आए हवा

रजाई में अगर किसी भी कोने से ठंडी हवा आ रही है तो ये आपकी नींद को खराब करने के लिए काफी है। ठंडी हवा आने के चलते रजाई में गर्माहट नहीं बन पाती है और पूरी रात आप ठंड में बिता देते हैं। इसके लिए जब भी सोने जाएं तो खुद को अच्छी तरह कवर करना ना भूलें। ठंड ज्यादा है तो मुंह भी ढक लें इससे ये फायदा होगा कि जो कार्बन डाइऑक्साइड आप सांस के जरिए छोड़ते हैं, वो रजाई के अंदर रह जाती है। इससे रजाई में हीट बनी रहती है।

क्या आपके बच्चों को भी है मीठा खाने की लत? छुड़वाने के लिए अपनाएं यह तरीके

बड़ों के लिए मीठे की लत को दूर करना मुश्किल होता है। हालांकि, जब बात बच्चों में मीठे की लालसा को कम करने की आती है, तो यह और भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है।बच्चों को टॉफी, चॉकलेट, बिस्कुट और केक जैसे व्यंजन पसंद होते हैं, जिनके सेवन से दांत खराब हो सकते हैं और बच्चे बीमार भी पड़ सकते हैं।अपने बच्चों की देखभाल करने के लिए ये 5 टिप्स अपनाएं, जिनसे उनकी मीठे की लालसा कम हो जाएगी।प्राकृतिक रूप से मीठे खाद्य पदार्थ खिलाएंबच्चों के लिए अचानक मीठा खाना बंद कर देना बेहद मुश्किल हो सकता है।ऐसे में आपको पहले उन्हें टॉफी और चॉकलेट आदि की जगह पर ऐसे खाद्य पदार्थ खिलाने चाहिए, जिनमें रिफाइंड चीनी की जगह प्राकृतिक चीनी मौजूद होती हो।

आप उन्हें संतरे, बेरी और अनानास आदि जैसे मीठे फल खिला सकते हैं। इन फलों के जरिए उन्हें फाइबर समेत अन्य पोषक तत्व भी मिलेंगे और उनकी मीठा खाने की लालसा भी पूरी हो जाएगी।जूस जैसे मीठे पेय पदार्थों से दूर रखेंसभी मां-बाप अपने बच्चों को बाजार में मिलने वाले जूस और अन्य पेय पिला देते हैं, क्योंकि ब्रांड इन्हें स्वस्थ बताते हैं। हालांकि, इनमें अधिक मात्रा में चीनी शामिल होती है और ये बच्चों के स्वास्थ्य को नुकसान भी पहुंचा सकते हैं। आपको अपने बच्चे की मीठे की लत छुड़वाने के लिए उसे पैकेट वाले जूस और चॉकलेट पाउडर वाला दूध आदि नहीं पिलाना चाहिए।इनके बजाय उन्हें ताजे फलों का जूस निकालकर पिलाएं या बिना चीनी वाला दूध दें।

इनाम के रूप में टॉफी देना बंद करेंमां-बाप बच्चों से अपनी बात मनवाने के लिए उन्हें टॉफी-चॉकलेट का लालच देते हैं। जब बच्चे कोई अच्छा काम करते हैं या उनकी बात मान लेते हैं, तो वे उन्हें मीठे व्यंजन खिलाकर खुश करने की कोशिश करते हैं।हालांकि, ऐसा करने से बच्चों की आदत बिगड़ती है और वे मीठा खाने के आदी हो जाते हैं। अगर आप अपने बच्चे की डाइट से मीठे व्यंजन कम करना चाहते हैं तो उन्हें इनाम के रूप में टॉफी-चॉकलेट देना बंद करें। धीरे-धीरे चीनी खिलाना कम करेंअगर आप अचानक अपने बच्चों को मीठे व्यंजन देना बंद कर देंगे, तो वे चिड़चिड़े हो जाएंगे और जिद करने लगेंगे।

ऐसे में उनके खान-पान में छोटे-छोटे बदलाव करें और धीरे-धीरे उन्हें चीनी खिलाना कम करें।

सबसे पहले उन व्यंजनों में चीनी डालना बंद करें, जिन्हें आपके बच्चे रोज खाते हैं, जैसे दूध, दही या स्मूदी आदी। इसके बाद उन्हें टॉफी या चॉकलेट की जगह पर सूखे मेवे या फल खिलाना शुरू करें।प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों का सेवन भी रोकेंआज कल के बच्चे लगभग रोजाना चिप्स, बिस्कुट और इंस्टेंट नूडल्स जैसे व्यंजन खाते हैं। ये खाद्य पदार्थ अधिक प्रोसेस्ड होते हैं और इनमें कोई पोषक तत्व नहीं मौजूद होते हैं। यह सभी व्यंजन चीनी से समृद्ध होते हैं और मीठे की लालसा को बढ़ाने में योगदान दे सकते हैं। ऐसे में आपको बच्चों के खान-पान से ये प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ भी निकाल देने चाहिए।आप मीठे की लालसा को कम करने के लिए ये खाद्य पदार्थ खा सकते हैं।

वेट लॉस के लिए परफेक्ट है-वेजी रैप

आजकल वजन कम करने के लिए कई प्रकार की डाइट फॉलो की जाती है, जिसमें लोग अपनी पसंद और भूख से समझौता करते हैं। अधिकतर वजन कम करने वाली डाइट से कभी पेट नहीं भरता तो कभी इसका स्वाद पसंद नहीं आता है। ऐसे में आप इस वेट लॉस जर्नी में वेजी रैप को अपना साथी बना सकते हैं। स्वादिष्ट होने के साथ ही यह सेहत के लिए भी गुणकारी होता है।

सामग्री :

प्याज, अदरक, शिमला मिर्च, लो फैट पनीर, नमक, ऑरिगेनो, चिली फ्लेक्स, अपनी च्वाइस की रोटी, बारीक लम्बे और पतले कटे हुए पत्तागोभी, खीरा, प्याज

ड्रेसिंग के लिए

हंग कर्ड, नमक, शहद, रेड चिली सॉस, क्रश किए हुए लहसुन

बनाने का विधि

- **सबसे पहले तेल में पिसा हुआ अदरक, प्याज और शिमला मिर्च डाल कर चलाएं।**
- **फिर पनीर के टुकड़े डाल कर ओरिगेनो डालें।**
- **पनीर के टुकड़े सुनहरे होने लगें तो गैस बंद कर दें और ठंडा होने दें।**
- **फिर पानी निकली हुई हंग कर्ड में रेड चिली सॉस, क्रश किए लहसुन और शहद डालें और अच्छे से मिक्स कर के ड्रेसिंग की सॉस तैयार करें।**
- **इस ड्रेसिंग की सॉस में पनीर का मिक्स डालें और वेजी रैप का परफेक्ट ड्रेसिंग तैयार है।**
- **अपने अनुसार मैदा, गेंहू या किसी भी ग्लूटन फ्री अनाज की रोटी चुनें और फैला कर रखें।**
- **इसके ऊपर पतले लंबे स्लाइस किया हुआ पत्तागोभी रखें और फिर पनीर की ड्रेसिंग अच्छे से रखें।**
- **इसके ऊपर स्लाइस किया गया खीरा और प्याज रखें।**
- **चाट मसाला और ओरिगेनो स्प्रिंकल कर के रोटी को रोल करें।**
- **वेट कम करने वाला टेस्टी वेजी रैप तैयार है।**

सोते समय तकिए के पास रख लें बस नींबू का एक टुकड़ा, मिलेंगे ये 5 चौंकाने वाले फायदे

खट्टा-खट्टा ताजगी से भरपूर नींबू अपने कई गुणों के लिए जाना जाता है। सेहत के लिए तो इसके फायदों की लंबी-चौड़ी लिस्ट है। बॉडी को डिटॉक्स करने से ले कर मेटाबॉलिज्म बूस्ट करना, इम्यूनिटी में सुधार लाना और भी बहुत कुछ। साथ ही इसकी खुशबू ऐसी की तुरंत मूड को तरोताजा कर दे। बहरहाल, आज हम नींबू के जरा अटपटे से फायदे आपके साथ शेयर करने वाले हैं। आपको बस करना इतना भर है कि एक नींबू के टुकड़े पर जरा सा नमक बुरक कर अपने सिरहाने रख लेना है। ये कोई बाबा वाला जादुई टोटका नहीं है, बल्कि आपकी सेहत और दिमाग को दुरुस्त रखने की एक बड़ी ही सिंपल सी ट्रिक है। तो चलिए जानते हैं कि इतना करने भर से आपको भला कौन से फायदे होने वाले हैं।

बंद नाक से दिलाए राहत : सोते समय अपने सिरहाने पर एक कटा हुआ नींबू रखना, आपको बेहतर सांस लेने में मदद कर सकता है। दरअसल नींबू में भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटी बैक्टिरियल गुण पाए जाते हैं जो बंद नाक को खोलने और बेहतर सांस लेने में मदद करते हैं। जिन लोगों को अस्थमा या साइनस जैसी बीमारियां हैं, उन्हें तो खासतौर से ये नींबू वाली ट्रिक आजमानी ही चाहिए क्योंकि ये उनके फेफड़ों के रास्तों को खोलने में मदद करती है। साथ ही ये छाती की जकड़न को कम करने में भी फायदेमंद होता है।

ब्लड प्रेशर कम करने में सहयोगी कई स्टडीज में भी इस बात की पुष्टि हो चुकी है कि नींबू ब्लड सकुर्लेशन को रेगुलर करने और ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद करता है। सोते समय अपने सिरहाने पर नींबू का टुकड़ा रखने से आप रात भर नींबू की ताजगी भरी खुशबू सूंघते हैं, जो ब्लड सकुर्लेशन को रेगुलेट करने में मदद करती है। अगर आप हाई ब्लड प्रेशर की समस्या से परेशान रहते हैं, तो ये ट्रिक आपको जरूर आजमा कर देखनी चाहिए।

तनाव कम करने में करने में कारगर : नींबू की भीनी-भीगी ताजगी भरी खुशबू तनाव कम करने में काफी मददगार होती है। एरोमाथेरेपी में नींबू को ह्यस्ट्रेस बस्टरह्ण यानि तनाव खत्म करने वाला कहा गया है। ये हमारे दिमाग में हैप्पी केमिकल सेरोटोनिन के प्रोडक्शन को बूस्ट करती है, जो मूड स्विंग्स और एंग्जाइटी को कम करने में मदद करता है। ऐसे के अगर आप भी बिना तनाव के चैन की नींद सोना चाहते हैं, तो ये ट्रिक आजमाकर देख सकते हैं।

मच्छरों से दिलाए छुटकारा : सोते समय मच्छरों की आवाज जितना इरिटेट करती है, उतना शायद ही कुछ और करे। तेज नींद भी आ रही हो तो, मच्छरों की आवाज और बार-बार काटने की वजह से सारा मूड तबाह हो जाता है। अगर आपके साथ भी यही समस्या बनी रहती है, तो आपको अपने सिरहाने पर एक नींबू का टुकड़ा जरूर रख लेना चाहिए। दरअसल मच्छरों को नींबू की खुशबू बिल्कुल भी पसंद नहीं होती। ऐसे में अगर आप अपने पास नींबू रख लें तो वो आपके आसपास भी नहीं फटकने वाले।

हवा की क्वालिटी में लाए सुधार : बढ़ते प्रदूषण से आज हर कोई परेशान है और जहरीली हवा से अपने परिवारवालों को बचाने की हर संभव कोशिश में जुटा हुआ है। इसमें नींबू की ये आसान सी ट्रिक भी आपकी मदद कर सकती है। दरअसल नींबू की डिटॉक्सिफिकेशन प्रॉपर्टीज के चलते हवा की गुणवत्ता में सुधार होता है। नींबू की तेज और ताजी गंध आपके आस-पास की हवा को नेचुरली प्यूरीफाई और फ्रेश करने में मदद करती है। इससे नींद भी बेहतर आती है।

कश्मीर घाटी में गुलमर्ग पर्यटकों से गुलजार, सीमित बर्फबारी के बाद भी गंडोला का आकर्षण बरकरार

बांग्लादेश में हिंदू असुरक्षित, 2 की हत्या, महिला से गैंगरेप

GANDIV REPORTER

ढाका। बांग्लादेश में पिछले 24 घंटे में 2 हिंदुओं की हत्या की दी गई। उस्मान हादी की मौत के बाद बांग्लादेश में अब तक 6 हिंदुओं की हत्या हो चुकी है। इससे पहले हिंदू महिला से गैंगरेप की घटना भी सामने आई थी।

जेसोर जिले के मोनिरामपुर राणा प्रताप बैरागी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। 45 वर्षीय राणा प्रताप बैरागी के केशवपुर उपजिला के अरुआ गांव के रहने वाले थे। शाम करीब पौने 6 बजे अज्ञात हमलावरों ने राणा प्रताप बैरागी पर अचानक गोलियां चला दीं। घटनास्थल पर ही राणा प्रताप की मौत हो गई।

नरसिंदी जिले के चारसिंदुर बाजार में किराने की दुकान चलाने वाले मणि चक्रवती की चाकू घोंपकर हत्या की गई। बताया जा रहा है कि हमले के समय वह दुकान में ही मौजूद थे। फिलहाल हमलावरों की पहचान नहीं हो पाई है।

बांग्लादेश के झेनाइदह जिले के कालीगंज इलाके में 44 साल की एक हिंदू विधवा महिला से गैंगरेप किया गया। आरोपियों ने रेप के बाद उसे पेड़ से बांधकर पीटा। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

बांग्लादेश के शरीयतपुर जिले में गत 31 दिसंबर को भीड़ ने हिंदू युवक खोकोन दास पर हमला कर उसे जिंदा जला दिया। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इससे दो दिन पहले ही सोमवार को बेजेंद्र बिस्वास नाम के हिंदू युवक को उसके सहकर्मी ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। वहीं 24 दिसंबर को एक और हिंदू युवक 29 साल के अमृत मंडल को बांग्लादेश में कालीमोहर संघ के हुसैनडांगा इलाके में भीड़ ने पीट-पीट कर मार डाला। इससे पहले दीपूचंद्र दास की भी हत्या कर दी गई थी। भारत ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर होते हमलों को लेकर गंभीर चिंता जताई है। जबकि बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय ने अल्पसंख्यकों के खिलाफ जारी हिंसा के संबंध में भारत की चिंता को खारिज कर दिया और कहा कि भारत का बयान गलत और भ्रामक है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर बढ़ते अत्याचार पर वीएचपी का फूटा गुस्सा, मुहम्मद यूनुस पर उठाए सवाल

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर बढ़ते हमलों पर गहरी चिंता जताते हुए नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस की सरकार पर मूक दर्शक बने रहने का आरोप लगाया है। वीएचपी प्रवक्ता विनोद बंसल ने हाल ही में हुई कई हत्याओं का हवाला देते हुए कहा कि देश में मानवाधिकारों का उल्लंघन हो रहा है और अल्पसंख्यक असुरक्षित हैं। विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) ने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा में आई तेजी पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए पिछले 18 दिनों में छह हत्याओं का आरोप लगाया है। वीएचपी के प्रवक्ता विनोद बंसल ने नोबेल शांति पुरस्कार विजेता समेत देश के नेतृत्व पर अत्याचारों के बेरोकटोक जारी रहने पर मूक दर्शक बने रहने का आरोप लगाया है। एएनआई से बात करते हुए बंसल ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्याएं रुक नहीं रही हैं। यह एक गंभीर मुद्दा है कि पिछले 18 दिनों में बांग्लादेश में 6 हिंदुओं की हत्या कर दी गई है। विनोद बंसल ने आगे कहा कि कल ही एक जहाज मालिक की हत्या कर दी गई। 40-50 साल की एक महिला अपने घर में बैठी थी, जिहादियों ने न केवल उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया बल्कि उसे जिंदा जला भी दिया... देश में इस तरह की कई हत्याएं हो रही हैं... तथाकथित नोबेल शांति पुरस्कार विजेता अशांति का साम्राज्य चला रहा है और मूक दर्शक बना हुआ है। विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के प्रवक्ता बंसल की ये टिप्पणियां ढाका के पास नरसिंगदी में सोमवार रात अज्ञात हमलावरों द्वारा धारदार हथियारों से हमला किए जाने के बाद 40 वर्षीय हिंदू व्यक्ति शरत चक्रवर्ती मणि की हत्या के बाद आईं, जैसा कि बांग्लादेश में पंजीकृत समाचार पत्र वीकलीब्लिट्ज ने रिपोर्ट किया है।

इससे पहले, बंसल ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव, संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त और इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) को टैग करते हुए ट्वीट किया था, जिसमें उन्होंने सवाल उठाया था कि क्या इस्लाम इस तरह की हत्याओं की अनुमति देता है। पर एक पोस्ट में बंसल ने बताया, मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार में मानवाधिकारों के व्यापक उल्लंघन के मामले सामने आए हैं। मानवाधिकार संगठन ऐन ओ सालिश केंद्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2024 से अब तक भीड़ हिंसा में 293 लोग मारे जा चुके हैं। अकेले 2025 में ही भीड़ हिंसा में 197 मौतें, हिरासत में 107 मौतें और 38 गैर-न्यायिक हत्याएं दर्ज की गई हैं। अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं पर अत्याचार बढ़ गया है और पत्रकारों को भी यातनाओं का सामना करना पड़ा है। इनमें भीड़ हिंसा (यानी भीड़ हिंसा), गैर-न्यायिक हत्याएं, हिरासत में मौतें, अल्पसंख्यकों पर अत्याचार, राजनीतिक हिंसा और हत्याएं, और प्रेस की स्वतंत्रता का दमन शामिल हैं। अफवाहों के आधार पर लोगों को पीटा गया और मार डाला गया।

एनएचएआई के पूर्व डीजीएम कैसे बना काली कमाई से करोड़पति, ईडी ने जब्त की 2.85 करोड़ की प्रॉपर्टी

GANDIV REPORTER

पटना। प्रवर्तन निदेशालय की पटना जोनल इकाई ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। ईडी की टीम ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के तत्कालीन उप महाप्रबंधक प्रभांशु शेखर पर शिकंजा कस दिया है। जांच एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियमके तहत कार्रवाई करते हुए उनकी 2.85 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया है। आइए जानते हैं प्रभांशु शेखर कैसे काली कमाई से करोड़पति बने...

पत्नी और परिजनों के नाम पर किया था निवेश

एऊकी जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि प्रभांशु शेखर

ने भ्रष्टाचार के जरिए कमाई गई अवैध राशि को न केवल अपने नाम, बल्कि अपनी पत्नी और अन्य रिश्तेदारों के नाम पर भी खपाया था। जब्त की गई संपत्तियों में बिहार और दिल्ली में स्थित कीमती फ्लैट, जमीन, बैंक बैलेंस, सोने-चांदी के जेवर और कई मोटी बीमा पॉलिसियां शामिल हैं।

सीबीबाई की चार्जशीट से खुला भ्रष्टाचार का कच्चा चिट्ठा

प्रवर्तन निदेशालय ने इस मामले की जांच सीबीआई और पटना एंटी करप्शन ब्यूरो की ओर से दर्ज एफआईआर और चार्जशीट के आधार पर शुरू की थी। सीबीआई के मुताबिक, 1 जनवरी 2016 से 23 सितंबर 2022 के बीच पटना में तैनाती के दौरान प्रभांशु शेखर ने आय के ज्ञात स्रोतों से करीब 4.07 करोड़ रुपये अधिक की संपत्ति बनाई थी। जांच में यह तथ्य सामने आया कि ठलअकके पद पर रहते हुए शेखर ने मेसर्स अशोका बिल्डकॉन लिमिटेड नामक कंपनी को अनुचित लाभ पहुंचाया। उन्होंने कंपनी के गलत और फर्जी बिल पास किए। साथ ही सड़क निर्माण में घटिया सामग्री के इस्तेमाल को जानबूझकर नजरअंदाज किया। इसके बदले उन्हें मोटी रिश्वत मिली, जिसे उन्होंने परिवार के बैंक खातों में जमा कराया या अचल संपत्ति खरीदने में इस्तेमाल किया। ईडी ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई अभी केवल शुरूआत है। इस घोटाले से जुड़े अन्य कड़ियों की जांच जारी है। एजेंसी उन बैंक ट्रांजेक्शन की भी पड़ताल कर रही है, जिनके माध्यम से नकद राशि को निवेश में बदला गया।

ऐसे काली कमाई से करोड़पति बने शेखर

जांच में यह तथ्य सामने आया कि ठलअकके पद पर रहते हुए शेखर ने मेसर्स अशोका बिल्डकॉन लिमिटेड नामक कंपनी को अनुचित लाभ पहुंचाया। उन्होंने कंपनी के गलत और फर्जी बिल पास किए। साथ ही सड़क निर्माण में घटिया सामग्री के इस्तेमाल को जानबूझकर नजरअंदाज किया। इसके बदले उन्हें मोटी रिश्वत मिली, जिसे उन्होंने परिवार के बैंक खातों में जमा कराया या अचल संपत्ति खरीदने में इस्तेमाल किया।

नेत्री सोनिया गांधी की बिगड़ी तबीयत, अचानक सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी गई है। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि उनकी हालत स्थिर है और वे ठीक हैं। फिलहाल, वे एक छाती रोग विशेषज्ञ की निगरानी में हैं। उन्हें सोमवार शाम को भर्ती कराया गया था। अस्पताल के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया कि यह एक सामान्य प्रक्रिया है। गांधी को लंबे समय से खांसी की समस्या है और वे नियमित रूप से जांच के लिए अस्पताल आती रहती हैं, खासकर शहर में उच्च वायु प्रदूषण के समय। सोनिया गांधी दिसंबर 2025 में 79 वर्ष की हो जाएंगी।

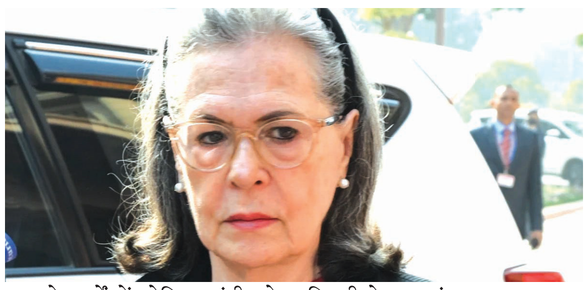

हाल के वर्षों में सोनिया गांधी को स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याओं का सामना करना पड़ा है। कुछ महीने पहले, उन्हें पेट संबंधी समस्या के कारण दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। फरवरी में उनका अस्पताल में भर्ती होना एक दिन तक चला, इस दौरान वे गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विशेषज्ञ की देखरेख में रहीं। इससे पहले 19 जून को सोनिया गांधी को पेट संबंधी बीमारी के इलाज के बाद दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। 79 वर्षीय वरिष्ठ नेता को पेट में संक्रमण से संबंधित शिकायतों के बाद 15 जून को भर्ती कराया गया था। पिछले चार दिनों से गांधी गहन चिकित्सा निगरानी में थीं। 7 जून को भी कांग्रेस नेता हिमाचल प्रदेश के शिमला स्थित इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में कुछ मामूली स्वास्थ्य समस्याओं के कारण नियमित स्वास्थ्य जांच के लिए गई थीं।

सुरेश कलमाड़ी का निधन, 81 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के पूर्व अध्यक्ष सुरेश कलमाड़ी का 81 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। जानकारी के अनुसार, सुरेश कलमाड़ी का पार्थिव शरीर मंगलवार दोपहर 2 बजे तक पुणे स्थित उनके निवास पर अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। इसके बाद शाम 3:30 बजे वैकुंठ स्मशानभूमि में पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। सुरेश कलमाडी को केवल एक राजनेता के रूप में नहीं, बल्कि पुणे की राजनीति के किंगमेकर के तौर पर भी जाना जाता था। उनके राजनीतिक जीवन की शुरूआत से पहले उन्होंने भारतीय वायु सेना में पायलट के रूप में देश सेवा की। इसके बाद राजनीति में कदम रखते हुए वे कई

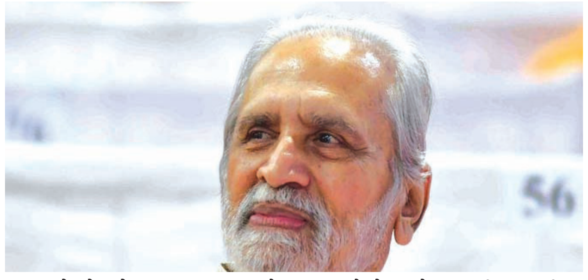

बार पुणे से लोकसभा सांसद चुने गए और केंद्र सरकार में मंत्री के रूप में भी अपनी सेवाएं दीं। पुणे के बुनियादी ढांचे, शहरी विकास और विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं में उनका योगदान आज भी शहर में देखा जा सकता है।

खेलों के क्षेत्र में भी सुरेश कलमाड़ी ने भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष के तौर पर लंबे समय तक भारतीय खेल प्रशासन का नेतृत्व किया। वर्ष 2010 में आयोजित दिल्ली कॉमनवेल्थ गेम्स उनके करियर का एक अहम अध्याय रहे। हालांकि इन खेलों से जुड़े विवादों ने उनके राजनीतिक जीवन को प्रभावित किया, लेकिन भारत में खेलों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्थापित करने और बड़े खेल आयोजनों की मेजबानी की दिशा में उठाए गए कदमों का श्रेय भी उन्हें दिया जाता है। इसके अलावा, पुणे फेस्टिवल और पुणे इंटरनेशनल मैराथनजैसे प्रतिष्ठित आयोजनों के जरिए उन्होंने पुणे को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इन आयोजनों ने पुणे को सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित किया।

ममता बनर्जी के रेल मंत्री कार्यकाल के दौरान कैटरिंग आरक्षण की होगी जांच, एनएचआरसी ने रेलवे बोर्ड को भेजा नोटिस

GANDIV REPORTER

कोलकाता। वर्ष 2010 में तत्कालीन रेल मंत्री ममता बनर्जी के कार्यकाल के दौरान लागू की गई रेलवे कैटरिंग नीति एक बार फिर विवादों में आ गई है। आरोप है कि उस समय रेलवे के खान-पान स्टॉल और कैंटीन के संचालन से जुड़ी आईआरसीटीसी की टेंडर प्रक्रिया में नीति स्तर पर बदलाव कर अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से मुसलमानों, को 9.5% तक आरक्षण दिया गया था।

इस मामले को लेकर लीगल राइट्स ऑब्जर्वेटरी नामक एक कार्यकर्ता समूह ने शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि यह आरक्षण तुष्टिकरण की नीति के तहत किया गया प्रतीत होता है, जो संविधान की भावना के अनुरूप नहीं है। संगठन का दावा है कि इस फैसले के कारण एससी, एसटी और ओबीसी वर्गों के अधिकारों में कटौती हुई, जो उनके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है। आयोग ने रेलवे बोर्ड को पूरे मामले की जांच कर विधिसम्मत और उचित कार्रवाई करने के दिए निर्देश। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) के सदस्य प्रियंक कानूनगो की अध्यक्षता वाली पीठ ने रेलवे बोर्ड को नोटिस जारी किया है। आयोग ने रेलवे बोर्ड को पूरे मामले की जांच कर विधिसम्मत और उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने जन आहार की उपलब्धता और रेलवे कैटरिंग में राष्ट्रीय व क्षेत्रीय व्यंजनों को शामिल करने की बात भी कही थी। दरअसल, वर्ष 2009-10 के रेल बजट भाषण के दौरान तत्कालीन रेल मंत्री ममता बनर्जी ने रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में बेहतर गुणवत्ता का भोजन, स्वच्छ पेयजल, साफ शौचालय और

बेहतर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने की घोषणा की थी। उन्होंने जन आहार की उपलब्धता और रेलवे कैटरिंग में राष्ट्रीय व क्षेत्रीय व्यंजनों को शामिल करने की बात भी कही थी।

इन्हीं घोषणाओं के आधार पर रेलवे बोर्ड ने 21 जुलाई 2010 को नई कैटरिंग नीति तैयार कर लागू की थी। रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक (पर्यटन एवं कैटरिंग) मणि आनंद द्वारा जारी पत्र में कहा गया था कि यह नीति वित्त और विधि निदेशालय की सहमति से बनाई गई है और इसे तत्काल प्रभाव से लागू किया जाएगा। इस संबंध में सभी रेलवे जोन के महाप्रबंधकों को निर्देश भेजे गए थे और आईआरसीटीसी को भी आवश्यक कार्रवाई के लिए सूचित किया गया था। अब एक दशक से अधिक समय बाद, इस नीति में कथित आरक्षण प्रावधान को लेकर उठे सवालों ने प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में नई बहस छेड़ दी है। दरअसल, वर्ष 2009-10 के रेल बजट भाषण के दौरान तत्कालीन रेल मंत्री ममता बनर्जी ने रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में बेहतर गुणवत्ता का भोजन, स्वच्छ पेयजल, साफ शौचालय और बेहतर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने की घोषणा की थी। उन्होंने जन आहार की उपलब्धता और रेलवे कैटरिंग में राष्ट्रीय व क्षेत्रीय व्यंजनों को शामिल करने की बात भी कही थी। इन्हीं घोषणाओं के आधार पर रेलवे बोर्ड ने 21 जुलाई 2010 को नई कैटरिंग नीति तैयार कर लागू की थी। रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक (पर्यटन एवं कैटरिंग) मणि आनंद द्वारा जारी पत्र में कहा गया था कि यह नीति वित्त और विधि निदेशालय की सहमति से बनाई गई है

5वां एशेज टेस्ट तीसरा दिन : सिडनी में 'स्टीव-ट्रेविस' शो, दोहरे शतक ने बदला मैच का रुख, बैकफुट पर इंग्लैंड

GANDIV REPORTER

सिडनी। ओपनर ट्रेविस हेड (163) और कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ (129*) रन के दम पर एशेज सीरीज के पांचवें टेस्ट के तीसरे दिन स्टंप्स तक ऑस्ट्रेलियाई ने मजबूत पकड़ बना ली है। सिडनी टेस्ट के तीसरे दिन मेजबान टीम ने 352 रन बनाए, जिसकी मदद से उन्होंने इंग्लैंड पर 134 रन की लीड बना ली। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने तीसरे दिन के खेल तक 7 विकेट खोकर 518 रन बना लिए हैं और इंग्लैंड की टीम की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है।

'दोहरे' शतक से इंग्लैंड बैकफुट पर पहुंचा : दरअसल, सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने तीसरे दिन के खेल की शुरूआत में ऑस्ट्रेलियाई टीम 218 रन से पीछे थी और उसके हाथ में 8 विकेट बाकी थे। कंगारू टीम की ओर से ट्रेविस हेड ने 40वें ओवर की पहली गेंद पर 105 गेंद पर अपना शतक पूरा किया। ये उनका टेस्ट करियर का 12वां शतक और सिडनी क्रिकेट ग्राउंड का पहला टेस्ट शतक रहा।

उन्होंने एशेज में गेंद के हिसाब से तेज 150 रन बनाने की लिस्ट में सर डॉन ब्रैडमैन के 96 साल पुराने रिकॉर्ड को ध्वस्त किया।

ब्रैडमैन ने 166 गेंद पर एशेज में तेज 150 रन का रिकॉर्ड बनाया था, जबकि ट्रेविस ने 152 गेंद पर 150 रन पूरे किए, लेकिन 163 रन पर वह जैकब बैथल का शिकार बने। इस दौरान उन्होंने 24 चौके और 1 छक्का लगाया। उनके अलावा मार्नस लाबुशेन ने 68 गेंद पर 48 रन, जबकि माइकल नसैर ने 90 गेंद पर 24 रन की पारी खेली।

स्टीव स्मिथ ने ठोका 37वां टेस्ट शतक : ऑस्ट्रेलियाई टीम के कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ ने 205 गेंदों का सामना करते हुए तीसरे दिन स्टंप्स तक 129 रन की नाबाद पारी खेल ली है। इस दौरान उन्होंने 15 चौके और 1 छक्का लगाया। ये स्टीव स्मिथ के टेस्ट करियर का 37वां टेस्ट शतक रहा, जबकि एशेज में ये उनका 13वां शतक रहा। उनके अलावा ब्यू वेबस्टर 58 गेंदों में 42 रन बनाकर नाबाद रहे।

इंग्लैंड के लिए पहली पारी में फिलहाल ब्रायडन कार्स ने 3 विकेट, कप्तान बेन स्टोक्स ने 2 विकेट और जोश टंग और जैकब बैथल ने 1-1 विकेट लिया है।

384 रन पर ऑलआउट हुई थी इंग्लिश टीम : पहले बैटिंग करते हुए इंग्लैंड की टीम पहली पारी में 384 रन पर ऑलआउट हुई थी। इंग्लैंड की ओर से जो रूट ने 242 गेंदों का सामना करते हुए 15 चौकों की मदद से 160 रन की पारी खेली थी। उनके अलावा हैरी ब्रूक ने 84 रन और जेमी स्मिथ ने 46 रन की पारी खेली थी। वहीं, कंगारू टीम की ओर से नैसर ने 4 विकेट, जबकि मिचेल स्टार्क और बोलैंड ने दो-दो विकेट चटकाए, जबकि कैमरन ग्रीन को एक सफलता मिली।

सबसे ज्यादा टेस्ट शतक

51 - सचिन तेंदुलकर
45 - जैक्स कैलिस
41 - रिकी पोंटिंग
41 - जो रूट
38 - कुमार संगकारा
37 - स्टीवन स्मिथ
36 - राहुल द्रविड़

सबसे ज्यादा एशेज शतक

19 - डॉन ब्रैडमैन
13 - स्टीवन स्मिथ
12 - जैक हॉब्स
10 - स्टीव वॉ
9 - वॉली हैमंड
9 - डेविड गोवर

जैक हॉब्स से आगे निकले स्मिथ
स्टीव स्मिथ ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले जैक हॉब्स को भी पीछे छोड़ दिया है। इंग्लैंड के हॉब्स के नाम एशेज सीरीज में 12 शतक थे। यह स्मिथ का एशेज में 13वां शतक है। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच होने वाले एशेज सीरीज में अब सिर्फ सर डॉन ब्रैडमैन के नाम ही स्मिथ से ज्यादा शतक हैं।

एशेज के शतकों में सिर्फ ब्रैडमेन से पीछे, स्टीव स्मिथ ने बनाए कई रिकॉर्ड्स

GANDIV REPORTER

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ ने मंगलवार को एक शानदार शतक लगाकर एशेज के इतिहास में अपना नाम और मजबूती से दर्ज कराया। वह इंग्लैंड के महान खिलाड़ी जैक हॉब्स को पीछे छोड़कर एशेज इतिहास में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज ने अपना 37वां टेस्ट शतक बनाया, जब उन्होंने ट्रैविस हेड के शानदार 163 रनों की बदौलत मिली मजबूत नींव पर पारी को आगे बढ़ाया। इससे मेजबान टीम इंग्लैंड के पहली पारी के कुल स्कोर को पार करने में सफल रही और सीरीज के आखिरी टेस्ट में एक महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की। इस प्रक्रिया में, स्मिथ ने हॉब्स के 3,636 एशेज रनों के आंकड़े को पार कर लिया और अब वह ऑल-टाइम लिस्ट में सर डॉन ब्रैडमैन के बाद दूसरे स्थान पर हैं।

36 वर्षीय खिलाड़ी एशेज शतकों की सूची में भी दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं, इंग्लैंड के खिलाफ उनके 13 शतकों से ज्यादा सिर्फ ब्रैडमैन के 19 शतक हैं। स्मिथ का एशेज का सफर 2010 में पर्थ में शुरू हुआ था, हालांकि इस मशहूर प्रतिद्वंद्विता में अपना पहला शतक लगाने में उन्हें 15 पारियां लगीं, जो 2013 में द ओवल में आया था। तब से, वह इंग्लैंड के गेंदबाजों के लिए लगातार परेशानी का सबब बने हुए हैं, उनका सबसे शानदार प्रदर्शन 2019 में इंग्लैंड में हुए एशेज के दौरान आया था, जहां उन्होंने 110.57 के शानदार औसत से 774 रन बनाए थे। सिडनी में बनाया गया शतक स्मिथ का मौजूदा सीरीज का पहला और ऑस्ट्रेलिया के कप्तान के तौर पर 18वां शतक था। खास बात यह है कि कप्तान के तौर पर उनके छह शतक इंग्लैंड के खिलाफ आए हैं, जो किसी भी विरोधी टीम के खिलाफ कप्तान के तौर पर बनाए गए सबसे ज्यादा शतक हैं। ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे दिन की शुरूआत दो विकेट पर 166 रन से की, हेड ने अपना आक्रामक रवैया जारी रखा और अपना 12वां टेस्ट शतक पूरा किया। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने आउट होने से पहले ऑस्ट्रेलिया को इंग्लैंड के कुल स्कोर के करीब पहुंचाने के लिए 63 रन और जोड़े।

कैमरन ग्रीन के अच्छे साथ से स्मिथ ने फिर कमान संभाली, ऑस्ट्रेलिया को बढ़त दिलाई और व्यक्तिगत मील के पत्थर हासिल करते हुए अपनी स्थिति मजबूत की। ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज के पहले तीन टेस्ट जीतकर पहले ही एशेज अपने नाम कर लिया था। हालांकि, इंग्लैंड ने मेलबर्न में जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट जीत के लिए 14 साल का सूखा खत्म किया, जिससे उनका आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप अभियान ज़िंदा रहा।

बांग्लादेश की मैच रिशेड्यूलिंग रोक सकता है बीसीसीआई, सरकार का क्या होगा रोल

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के बीच मुस्तफिजुर रहमान को लेकर शुरू हुई तकरार बढ़ती जा रही है। बीसीबी ने एक बार फिर कहा है कि हम भारत में सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल को हमारे मैच श्रीलंका में रिशेड्यूल करने चाहिए। बीसीबी ने अपनी मांग नहीं मानने पर आगे का कदम उठाने की धमकी भी दी है। हालांकि आईसीसी ने अब तक कोई फैसला नहीं लिया है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने बांग्लादेश की मांग को मानने के संकेत दिए हैं और टी20 वर्ल्ड कप 2026 के शेड्यूल को नए सिरे से तैयार करने का निर्देश दिया है। हालांकि यह मसला इतना स्ट्रेटफॉरवर्ड नहीं होने जा रहा है, क्योंकि इसमें कई हितधारक शामिल हैं। साथ ही वर्ल्ड कप शुरू होने में पूरा एक महीने का समय बचने के कारण लॉजिस्टिक्स से जुड़ी समस्याएं भी खड़ी हो सकती हैं। बीसीसीआई साफतौर पर कह चुका है कि अब मैच हटाए जाने का सवाल ही नहीं उठता है। ऐसे में यह भी सवाल उठ रहा है कि आईसीसी इवेंट होने के बावजूद क्या मेजबान के तौर पर बीसीसीआई के पास इस मसले में कोई हक है? साथ ही क्या भारत सरकार भी इस मसले में कोई हस्तक्षेप करने की हैसियत रखती है?

1. आईसीसी की तरफ से नहीं आया है औपचारिक बयान

आईसीसी की तरफ से इस मसले पर कई दिन बीतने के बावजूद अब तक कोई औपचारिक बयान नहीं आया है। केवल कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में आईसीसी सोर्सेज से यह बताया गया है कि बांग्लादेश की मांग पर आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने टी20 वर्ल्ड कप के मैचों को रिशेड्यूल करने की प्रोसेस शुरू कराई है। इसे लेकर भी आईसीसी ने कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया है। औपचारिक बयान जारी नहीं होने के चलते अब तक यह स्पष्ट नहीं है कि सही मायने में आईसीसी का क्या रुख है? क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, अगले दो दिन में आईसीसी अधिकारी इस मुद्दे पर बीसीसीआई और बीसीबी के साथ मीटिंग कर सकते हैं। इसके बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

2. क्या बीसीसीआई के पास है बांग्लादेश को रोकने का हक?

आईसीसी इवेंट में सह मेजबान होने के नाते बीसीसीआई को इस मामले में हस्तक्षेप करने का पूरा हक है। इवेंट शुरू होने में महज 30 दिन बाकी हैं। ऐसे में शेड्यूल के साथ बांग्लादेश ही नहीं किसी अन्य टीम के लिए भी छेड़छाड़ करना मुश्किल खड़ी कर सकता है। जमीनी धरातल पर आयोजन की सारी जिम्मेदारी आईसीसी नहीं बल्कि बीसीसीआई संभाल रहा है। ऐसे में रिशेड्यूल से पैदा होने वाली सारी परेशानियों से उसे ही जूझना पड़ेगा। साथ ही इससे आईसीसी के साथ ही बीसीसीआई का भी रेवेन्यू प्रभावित होगा। ऐसे में वह रिशेड्यूल करने के किसी भी फैसले पर ऐतराज जता सकता है। साथ ही इससे क्रिकेट फैंस के भी प्रभावित होने का मुद्दा उठा सकता है, जो शेड्यूल जारी होने के साथ ही अपनी होटल बुकिंग से लेकर फ्लाइट बुकिंग तक करा चुके होंगे।

3. भारत सरकार की क्या रहेगी इसमें भूमिका?

इस मामले में भारत सरकार की भूमिका अहम रहेगी, क्योंकि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने भी सारी कार्रवाई अपनी सरकार के निर्देश के बाद की है। बांग्लादेश सरकार ने आगे बढ़ते हुए क्ष्छ 2026 के टेलीकास्ट पर भी बैन लगाया है। वर्ल्ड कप के मैचों की रिशेड्यूलिंग पर तकरार विदेश नीति को प्रभावित कर सकती है। ऐसे में बीसीसीआई को मोदी सरकार से सलाह लेनी होगी। हाल ही में विदेश मंत्री एस. जयशंकर पूर्व बांग्लादेशी पीएम खालिदा जिया के अंतिम संस्कार में बांग्लादेश गए थे और उस दौरान दोनों ही तरफ से पॉजिटिव संदेश सामने आया था। लेकिन इस मामले में सरकार का क्या रुख होगा, फिलहाल इसका अंदाजा लगाना संभव नहीं है।

4. क्या बांग्लादेश पर कार्रवाई कर सकती है आईसीसी?

यदि वर्ल्ड कप में इस तरह से मैच छोड़ने की धमकी देने के पुराने मामले देखें जाए तो बांग्लादेश को नुकसान हो सकता है। 1996 के वर्ल्ड कप में श्रीलंका जाने से इंकार करने पर ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के अंक कटे थे, जबकि 2003 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड ने केन्या और इंग्लैंड ने जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच नहीं खेले थे तो उनके अंक भी विपक्षी टीमों को दे दिए गए थे। **5. क्या बांग्लादेश के ग्रुप की अन्य टीमें करेंगी ऐतराज?**

बांग्लादेश को टी20 वर्ल्ड कप 2026 के मौजूदा शेड्यूल के लिहाज से 3 मैच कोलकाता के ईडन गार्डंस में और एक मैच मुंबई के वानखेडे में ग्रुप लेवल पर खेलना है। कोलकाता में उसे 7 फरवरी को वेस्टइंडीज के खिलाफ, 9 फरवरी को इटली के खिलाफ और 14 फरवरी को इंग्लैंड के खिलाफ खेलना है, जबकि मुंबई में उसका मैच 17 फरवरी को नेपाल के खिलाफ होगा। यदि मैचों को रिशेड्यूल किया जाता है तो इन टीमों की तरफ से भी ऐतराज आ सकता है।

कपिल देव जन्म दिन : वर्ल्ड चैंपियन बनाकर बदल दी थी क्रिकेट पॉलिटिक्स

GANDIV REPORTER

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के महान ऑलराउंडर रहे कपिल देव आज यानी की 06 जनवरी को अपना 67वां जन्मदिन मना रहे हैं। उन्होंने अपनी अक्रामक बल्लेबाजी और कुशल गेंदबाजी से भारतीय क्रिकेट टीम को एक नई पहचान दी थी। बता दें कि कपिल देव वह खिलाड़ी थे, जिन्होंने मैदान पर उतरते ही यह भरोसा दिलाया कि हालात चाहे कुछ भी हों, भारत मुकाबला जीत सकता है। उछलती गेंद, तेज रनअप, बेखौफ शॉट्स और चेहरे पर मुस्कान रखने वाले कपिल देव भारतीय क्रिकेट की पहचान बन गए। तीसरे विश्वकप में कपिल देव ने अपनी कैप्टेनसी में भारत को खिताब जिताया। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर कपिल देव के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातें...

ऐसे रखी जीत की नींव
अपने पहले ही मैच में भारत ने वेस्टइंडीज को हराकर क्रिकेट जगत को चौंका दिया था। यह जीत इसलिए ज्यादा खास थी, क्योंकि वेस्टइंडीज ने पहले दोनों विश्व कप जीते थे। वहीं भारत ने ऑस्ट्रेलिया को भी अपने आखिरी ग्रुप मैच में हराकर सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई किया था। फिर फाइनल में वेस्टइंडीज को हराकर भारत ने विश्वकप जीता था। वेस्टइंडीज से जीत के भारत ने जिम्बाब्वे को हराया, लेकिन टीम को ऑस्ट्रेलिया से करारी हार मिली और फिर वेस्टइंडीज से हार मिली।

चौथे मैच में भारत के सामने जिम्बाब्वे थी। यहां से कपिल देव ने 175 रन की शानदार पारी खेली। यह वनडे में किसी भारतीय क्रिकेटर का पहला शतक था। इसको वनडे के इतिहास की सबसे बेहतरीन और शानदार पारियों में गिना जाता है। इस मैच ने भारतीय टीम के अप्रोच को बदलकर रख दिया था।

क्रिकेट करियर : कपिल देव ने साल 1978 में भारत के लिए डेब्यू किया था। फिर साल 1994 में उन्होंने अपना आखिरी मैच खेला था। कपिल देव को क्रिकेट इतिहास का सबसे महान ऑलराउंडर माना जाता है। आज भी टेस्ट में 400 विकेट के साथ 5000 रन का रिकॉर्ड सिर्फ कपिल देव के नाम है। वह वनडे में 200 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज थे। इसके अलावा सन्यास के दौरान टेस्ट में सबसे ज्यादा 434 विकेट भी उन्हीं के नाम थे। कपिल देव भारत के पहले ऐसे तेज गेंदबाज थे, जिनकी स्पीड से अच्छे-अच्छे बल्लेबाज खौफ खाते थे। कपिल के डेब्यू से पहले भारत अपने स्पिन गेंदबाजों के लिए जाना जाता था। 131 मैच के टेस्ट करियर में कपिल देव ने 434 विकेट लेने के साथ 5,248 रन बनाए थे। इसमें 8 शतक भी शामिल थे।

अवॉर्ड और सम्मान : क्रिकेट से रिटायर होने के बाद कपिल देव सितंबर 1999 से लेकर सितंबर 2000 तक भारतीय टीम के कोच भी रहे। वहीं साल 1982 में कपिल देव को 'पद्मश्री' और फिर 1991 में 'पद्मभूषण' से नवाजा गया। साल 2002 में उनको विस्डेन द्वारा 'इंडियन क्रिकेटर ऑफ द सेंचुरी' के रूप में चुना गया। इसके बाद साल 2010 में कपिल देव को आईसीसी क्रिकेट हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया।

बायर्न के युवा स्टार लेनार्ट कार्ल का खुलासा

रियल मैड्रिड में खेलने का सपना

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। बायर्न म्यूनिख के युवा खिलाड़ी लेनार्ट कार्ल ने रियल मैड्रिड को अपना 'ड्रीम क्लब' बताकर फुटबॉल जगत में हलचल मचा दी है, हालांकि वे 2028 तक बायर्न के साथ कॉन्ट्रैक्ट में हैं। यह खुलासा एक प्रशंसक कार्यक्रम में हुआ, जिससे भविष्य में उनके ट्रांसफर को लेकर अटकलों का बाजार गर्म हो गया है। बायर्न म्यूनिख से 2028 तक कॉन्ट्रैक्ट में रह रहे लेनार्ट कार्ल ने रविवार को बर्गासिन कस्बे में फैंस से मुलाकात के दौरान खुलकर स्वीकार किया कि उनका सपना एक दिन रियल मैड्रिड के लिए खेलने का है।

मौजूद जानकारी के अनुसार, यह मुलाकात पूरी तरह अनौपचारिक थी, जहां माइक्रोफोन हाथ में लिए कार्ल समर्थकों के सवालों का जवाब दे रहे थे हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या बायर्न के अलावा किसी और क्लब में खेलने का सपना है, तो उन्होंने पहले हल्के अंदाज में कहा कि यह बात यहीं रहनी चाहिए। इसके बाद उन्होंने कहा कि बायर्न एक बहुत बड़ा क्लब है और यहां खेलना अपने आप में सपना है, लेकिन एक दिन रियल मैड्रिड के लिए खेलना उनका सबसे बड़ा सपना है और वही उनका ड्रीम क्लब है। गौरतलब है कि यह बयान गोपनीय नहीं रह सका और तेजी से मीडिया तक पहुंच गया हैं। इस बयान ने इसलिए भी ज्यादा ध्यान खींचा क्योंकि रियल मैड्रिड के प्रति कार्ल का आकर्षण नया नहीं है। पत्रकार सेबास्टियन लिसगांग, जो कार्ल के परिवार के करीबी माने जाते हैं, के अनुसार लेनार्ट कार्ल महज 10 साल की उम्र में रियल मैड्रिड के यूथ ट्रायल सिस्टम का हिस्सा रह चुके हैं। बताया गया कि वर्ष 2018 में जर्मनी के क्षेत्रीय ट्रेनिंग कैंप से आगे बढ़ते हुए कार्ल को मैमिंगेन में आयोजित अगले चरण में बुलाया गया था, जहां बेहतर प्रदर्शन के बाद उन्हें मैड्रिड जाकर सैंटियागो बनार्बेउ देखने और ट्रायल देने का मौका मिला था हैं।

विजय हजारे ट्रॉफी : फिर फेल हुए यशस्वी जायसवाल, 3 पारी में बना पाए हैं 64 रन

GANDIV REPORTER

जयपुर। टीम इंडिया के वनडे स्क्वॉयड में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपनी जगह बचाने में सफल रहे युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की बल्ले से असफलता जारी है। नवंबर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ टीम इंडिया के अपना पहला वनडे शतक ठोकने वाले यशस्वी विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 के मैच में मंगलवार (6 जनवरी) को भी छोटी सी पारी खेलकर आउट हो गए हैं। हिमाचल प्रदेश के खिलाफ मुंबई के लिए नए जोड़ीदार के साथ ओपनिंग में उतरे यशस्वी केवल 15 रन ही बना सके हैं। इस ट्रॉफी में वे 3 मैच खेलकर केवल 64 रन ही अपने खाते में जोड़ पाए हैं। इससे न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्हें टीम में शामिल किए जाने पर सवाल खड़े हो सकते हैं।

ढाई घंटे देरी से शुरू हुआ मैच, धुआंधार पारी की थी उम्मीद

जयपुर में जयपुरिया विद्यालय ग्राउंड पर घने कोहरे के कारण मुंबई-हिमाचल प्रदेश का मुकाबला करीब ढाई घंटे की देरी से शुरू हुआ है। इस मुकाबले में मुंबई को यशस्वी जायसवाल से धुआंधार शुरूआत की उम्मीद थी। यशस्वी ने दो चौके लगाकर रंग दिखाने की कोशिश की, लेकिन वे गेंदबाजों को पढ़ने में असफल हो रहे थे। नतीजतन उन्हें 5वें ओवर में वैभव जी. अरोड़ा ने चौंकाते हुए इनेश महाजन के हाथों कैच आउट करते हुए पवेलियन लौटा दिया। यशस्वी 18 गेंद की पारी में 2 चौकों के साथ 15 रन ही अपने खाते में जोड़ पाए हैं।

पहले मैच में खेली थी 46 रन की पारी

यशस्वी जायसवाल विजय हजारे ट्रॉफी के इस सीजन में रोहित शर्मा के बाद जुड़े थे। रोहित ने सीजन के पहले दोनों मैच खेले थे। इसके बाद वे टूनामेंट से हट गए थे। इसके बाद यशस्वी जायसवाल टीम में लौटे थे। पहले मैच में उन्होंने 46 रन की पारी खेली थी, लेकिन उसमें भी वे पूरी तरह रंग में नहीं दिखे थे। यशस्वी ने यह पारी बेहद धीमी गति से खेली थी। अगले मैच में उनसे बड़ी पारी की उम्मीद थी, लेकिन वे महज 3 रन ही बना सके थे। आज वे 15 रन बनाकर आउट हो गए हैं। इस तरह 3 पारी में वे कुल 64 रन ही बना पाए हैं। यह बात न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से पहले टीम इंडिया मैनेजमेंट को चिंतित कर सकती है।

बीमारी के बाद लौटे हैं मैदान पर : यशस्वी जायसवाल साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज खत्म होने के बाद मुंबई के लिए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025-26 में खेले थे। उस टूनामेंट में उन्होंने जोरदार शतक भी जमाया था। इससे उनके पूरी तरह फॉर्म में होने के संकेत मिले थे, लेकिन शतक लगाने के बाद वे आंतों की बीमारी के कारण तबीयत खराब होने पर अस्पताल में भर्ती हो गए थे। कई दिन तक अस्पताल में रहने के बाद उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी के लिए मुंबई टीम में वापसी की है, लेकिन उनकी धीमी पारियां और छोटे स्कोर बता रहे हैं कि वे पूरी तरह फिट नहीं हैं।

एफ1 2026 में कैडिलैक का बड़ा दांव

चीनी ड्राइवर झोउ गुआनयू बने टीम के रिजर्व ड्राइवर

GANDIV REPORTER

नई दिल्ली। कैडिलैक की नई एफ1 टीम ने 2026 के डेब्यू सीजन के लिए चीनी ड्राइवर झोउ गुआनयू को अपना रिजर्व ड्राइवर नियुक्त किया है। झोउ अपने एफ1 अनुभव से रेस ड्राइवर्स वाल्तेरी बोटास और सर्जियो पेरेज को सपोर्ट करेंगे, जो टीम के कार डेवलपमेंट के लिए महत्वपूर्ण होगा।

चीनी ड्राइवर झोउ गुआनयू को कैडिलैक की नई एफ1 टीम ने अपने डेब्यू सीजन के लिए रिजर्व ड्राइवर के रूप में शामिल किया है, जो 2026 में ग्रिड पर उतरने जा रही है।

बता दें कि 26 वर्षीय झोउ पिछले सीजन में फेरारी के साथ रिजर्व ड्राइवर की भूमिका निभा चुके हैं। इससे पहले वह 2022 से 2024 तक अल्फा रोमियो नाम से रेस करने वाली साउबर टीम के लिए बतौर रेस ड्राइवर तीन सीजन तक रेस कर चुके हैं। एफ1 में उनका अनुभव अब कैडिलैक के लिए तकनीकी और रणनीतिक रूप से काफी अहम माना जा रहा है।

मौजूद जानकारी के अनुसार, झोउ 2026 में कैडिलैक के रेस ड्राइवर्स वाल्तेरी बोटास और सर्जियो पेरेज के सपोर्ट रोल में रहेंगे। गौरतलब है कि दोनों ड्राइवर एक साल के ब्रेक के बाद एफ1 ग्रिड पर वापसी कर रहे हैं। बोटास पहले अल्फा रोमियो में झोउ के टीम-मेट भी रह चुके हैं, जिससे टीम के भीतर तालमेल पहले से मजबूत माना जा रहा है।

कैडिलैक की ड्राइवर सूची में अमेरिकी रेसिंग से जुड़ा एक और नाम भी शामिल है। पूर्व इंडीकार ड्राइवर कॉल्टन हर्टा फिलहाल फॉर्मूला-2 में रेसिंग कर रहे हैं।

कंगना रनौत ने फिल्म का काम फिर से शुरू किया

भारत भाग्य विधाता के सेट से अपडेट शेयर किया

कंगना ने अपने प्रोडक्शन बैनर, मणिकर्णिका फिल्म्स प्रोडक्शन द्वारा मूल रूप से पोस्ट किए गए एक वीडियो को रीपोस्ट करके इंस्टाग्राम पर अपने फैंस के साथ एक अपडेट शेयर किया। वीडियो में कंगना सेट पर आती हुई और डायरेक्टर मनोज तपाड़िया के साथ बातचीत करती हुई दिख रही हैं।

संसदीय कामों और बिजी शेड्यूल के बीच, कंगना रनौत चुपचाप उस जगह लौट आई हैं जहाँ उन्हें सबसे ज्यादा घर जैसा महसूस होता है- एक फिल्म सेट। एक्ट्रेस-पॉलिटिशियन ने आधिकारिक तौर पर अपने अगले प्रोजेक्ट, भारत भाग्य विधाता पर काम शुरू कर दिया है, शूटिंग की एक झलक शेयर की है और एक्टिंग में अपनी वापसी की घोषणा की है। कंगना ने अपने प्रोडक्शन बैनर, मणिकर्णिका फिल्म्स प्रोडक्शन द्वारा मूल रूप से शेयर किए गए एक वीडियो को रीपोस्ट करके फैंस को अपडेट दिया।

सोमवार को, कंगना ने अपने प्रोडक्शन बैनर, मणिकर्णिका फिल्म्स प्रोडक्शन द्वारा मूल रूप से पोस्ट किए गए एक वीडियो को रीपोस्ट करके इंस्टाग्राम पर अपने फैंस के साथ एक अपडेट शेयर किया। वीडियो में कंगना सेट पर आती हुई और डायरेक्टर मनोज तपाड़िया के साथ बातचीत करती हुई दिख रही हैं, जिसमें दोनों शूटिंग से पहले सेटअप पर चर्चा करते और स्क्रिप्ट देखते हुए नजर आ रहे हैं। क्लिप को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर रीपोस्ट करते हुए, कंगना ने लिखा, ह्लफिल्म सेट पर वापस आकर अच्छा लगा।ह्व वीडियो में, वह हल्के रंग के सूट में, हाथ में कागज पकड़े हुए और डायरेक्टर के साथ बातचीत में पूरी तरह से व्यस्त दिख रही हैं।

भारत भाग्य विधाता के बारे में डिटेल्स अभी गुप्त रखी गई हैं। हालांकि, जब 2024 में फिल्म की घोषणा की गई थी, तो यह बताया गया था कि कंगना फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगी जो आम लोगों की उल्लेखनीय कहानियों और उनकी असाधारण उपलब्धियों को दिखाएगी।

कंगना आखिरी बार इमरजेंसी में नजर आई थीं, जो एक पॉलिटिकल ड्रामा था जिसे उन्होंने डायरेक्ट और को-प्रोड्यूस भी किया था। फिल्म में, उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभाया था, जिसकी कहानी 1975 और 1977 के बीच 21 महीने की इमरजेंसी अवधि पर केंद्रित थी। अपने महत्वाकांक्षी विषय के बावजूद, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं कर पाई। कास्ट में अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े और मिलिंद सोमन भी शामिल थे। इस बीच, कंगना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी एक बड़ा कदम उठाने की तैयारी कर रही हैं। क्वीन स्टार हॉरर ड्रामा ब्लेस्ड बी द एविल से हॉलीवुड में डेब्यू करने वाली हैं। वैरायटी के अनुसार, लायंस मूवीज के इस प्रोजेक्ट में कंगना के साथ टायलर पोसी और स्कारलेट रोज स्टैलोन भी होंगे। इस फि ल्म को अनुराग रुद्र डायरेक्ट करेंगे, जिन्होंने गाथा तिवारी के साथ मिलकर इसकी स्क्रीनप्ले लिखी है।

सिनॉप्सिस के अनुसार, कहानी एक ईसाई कपल के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक दुखद मिसकैरेज के बाद एक ऐसा छोड़ा हुआ फार्म खरीदते हैं जिसका इतिहास बहुत डरावना है। जल्द ही एक बुरी शक्ति उनके विश्वास और रिश्ते की परीक्षा लेती है। इस प्रोजेक्ट को आने वाले कान फि ल्म मार्केट में इंटरनेशनल खरीदारों के सामने पेश किया जाएगा। कंगना आखिरी बार इमरजेंसी में नजर आई थीं, जो एक पॉलिटिकल ड्रामा था जिसे उन्होंने डायरेक्ट और को-प्रोड्यूस भी किया था। फिल्म में, उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभाया था, जिसकी कहानी 1975 और 1977 के बीच 21 महीने की इमरजेंसी अवधि पर केंद्रित थी।

सिमी ग्रेवाल से था मंसूर अली पटौदी का अफेयर, शर्मिला टैगौर मिलीं तो कर लिया था ब्रेकअप

शर्मिला टैगौर ने मंसूर अली खान पटौदी से निकाह किया था। इस्लाम कबूला था और नाम बदला था। इस शादी से पहले उनके पति का एक्ट्रेस सिमी ग्रेवाल संग अफेयर था।

एक्ट्रेस शर्मिला टैगौर और मंसूर अली पटौदी ने काफी मुश्किलों के बावजूद निकाह किया था। एक्ट्रेस ने मुस्लिम नाम भी रख लिया था। कपल को जान से मारने की धमकी मिल रही थी। दूसरे धर्म में शादी करने का लोग विरोध भी कर रहे थे। मगर प्यार करते थे, इसलिए 1968 में इन्होंने अपने रिश्ते को नया नाम दे दिया था। हालांकि एक्ट्रेस से पहले सैफ के पिता टाइगर पटौदी, सिमी ग्रेवाल के साथ रिलेशनशिप में थे।

खबरों के मुताबिक, टाइगर पटौदी, शर्मिला के बारे में बताने के लिए सिमी ग्रेवाल के अपार्टमेंट गए थे। और वहां उन्होंने साफ शब्दं में कह दिया था कि उन्हें कोई और मिल गया है इसलिए उन दोनों के बीच अब सब खत्म हो गया है। हालांकि इस बात को सिमी ग्रेवाल ने सहजता से लिया और जब वह जाने के लिए उठे तो उनको लिफ्ट तक छोड़कर आईं।

सिमी ग्रेवाल और टाइगर पटौदी का था अफेयर : शर्मिला टैगोर और टाइगर पटौदी शादी के कई साल बाद सिमी ग्रेवाल के शो में भी नजर आए थे। इस दौरान दोनों ने अपने अफेयर के बारे में बात नहीं की थी। हालांकि बाद में एक फोटो जरूर शेयर की थी और लिखा था, ह्यपटौदी परिवार से मेरा रिश्ता बहुत पुराना है। मंसूर और मैं तब एक-दूसरे को डेट करते थे, जब वह इंडियन कैप्टन थे। वह हमेशा सहज स्वभाव के थे। मेरी शूटिंग पर वह आते थे। इससे फिल्म यूनिट बहुत खुश हो जाती थी। शर्मिला टैगोर और मैं सोशल फ्रेंड्स थे और कलीग्स थे। और उसके बाद वो मिले और बाकी का आप जानते हैं। मैंने पाया कि मंसूर बिलकुल नहीं बदले।

बता दें कि 27 दिसंबर, 1968 में शर्मिला ने शादी के दौरान इस्लाम कबूल कर अपना नाम आयशा सुल्ताना रख लिया था। इनके तीन बच्चे सैफ अली खान, सबा अली खान और सोहा अली खान हुए। एक्ट्रेस ने एक इवेंट में बताया था कि पति उनसे दिन में तीन बार किचन में खाना बनाने के लिए कहते थे। लेकिन उन्होंने कहा कि अगर वह किचन में गईं तो गड़बड़ हो जाएगी। किसी न किसी को इस्तीफा देना पड़ जाएगा। एक्ट्रेस शर्मिला टैगौर और मंसूर अली पटौदी ने काफी मुश्किलों के बावजूद निकाह किया था। एक्ट्रेस ने मुस्लिम नाम भी रख लिया था। कपल को जान से मारने की धमकी मिल रही थी। दूसरे धर्म में शादी करने का लोग विरोध भी कर रहे थे। मगर प्यार करते थे, इसलिए 1968 में इन्होंने अपने रिश्ते को नया नाम दे दिया था। हालांकि एक्ट्रेस से पहले सैफ के पिता टाइगर पटौदी, सिमी ग्रेवाल के साथ रिलेशनशिप में थे।

शर्मिला टैगोर ने कबूला था इस्लाम :

बता दें कि 27 दिसंबर, 1968 में शर्मिला ने शादी के दौरान इस्लाम कबूल कर अपना नाम आयशा सुल्ताना रख लिया था। इनके तीन बच्चे सैफ अली खान, सबा अली खान और सोहा अली खान हुए। एक्ट्रेस ने एक इवेंट में बताया था कि पति उनसे दिन में तीन बार किचन में खाना बनाने के लिए कहते थे। लेकिन उन्होंने कहा कि अगर वह किचन में गईं तो गड़बड़ हो जाएगी। किसी न किसी को इस्तीफा देना पड़ जाएगा।

स्मृति मंधाना की सगाई की अंगूठी गायब! पलाश मुच्छल से शादी टलने के बाद शेयर की पहली पोस्ट

स्मृति मंधाना ने 23 नवंबर को म्यूज़िक कंपोजर पलाश मुच्छल के साथ अपनी शादी टलने के बाद पहली इंस्टाग्राम पोस्ट शेयर की है। यह सेरेमनी तब रोक दी गई जब स्मृति के पिता, श्रीनिवास मंधाना, अचानक बीमार पड़ गए और उन्हें उनके होमटाउन सांगली के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। अगले दिन, पलाश भी बीमार पड़ गए और उन्हें भी अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। अब दोनों घर पर ठीक हो रहे हैं, लेकिन शादी की नई तारीख अभी तक घोषित नहीं की गई है।

स्मृति मंधाना की नई पोस्ट क्या है

नई पोस्ट में, भारतीय महिला क्रिकेटर ने एक ब्रांड के साथ पेड पार्टनरशिप, एक प्राइवेट कोलैबोरेशन का वीडियो शेयर किया है। हालांकि, इस वीडियो में स्मृति ने वर्ल्ड कप के हाई-प्रेशर वाले सेमी-फाइनल और फाइनल मैचों के दौरान अपनी भावनाओं का भी ज़िक्र किया।

स्मृति मंधाना ने वीडियो में कहा, मुझे इंटरनेशनल क्रिकेट खेलते हुए 12 साल हो गए हैं, और हर बार हमारा दिल टूटा है। पूरे वर्ल्ड कप के दौरान, हम लगातार सोच रहे थे कि वह पल (जब भारत जीतेगा) कब आएगा। जब वह पल आया, तो मुझे लगातार एक बच्चे जैसा महसूस हुआ; मैंने ज्यादा तस्वीरें नहीं लीं। स्मृति ने वीडियो में आगे कहा, बैटिंग के दौरान, मैंने ज्यादा नहीं सोचा, मैंने वही किया जो टीम को चाहिए था। लेकिन फील्डिंग के दौरान, मुझे सभी भगवान याद आ गए। पूरे 300 गेंदों के दौरान, मैं प्रार्थना कर रही थी, प्लीज हमें यह विकेट दे दो, प्लीज हमें वह विकेट दे दो।

फैंस ने नई पोस्ट में गायब अंगूठी पर ध्यान दिया मंधाना का शुक्रवार को लेटेस्ट इंस्टाग्राम अपडेट एक बड़े टूथपेस्ट ब्रांड के साथ एक पेड कोलैबोरेशन था। हालांकि, जिस चीज ने फैंस का ध्यान खींचा, वह थी उनकी सगाई की अंगूठी का गायब होना। यह साफ नहीं है कि यह विज्ञापन सगाई समारोह से पहले शूट किया गया था या नहीं। इस पोस्ट ने ऑनलाइन चचाओं को जन्म दिया है, खासकर इसलिए क्योंकि स्मृति ने अपने सोशल मीडिया से शादी से संबंधित पिछली सामग्री हटा दी है, जिससे अटकलें लगाई जा रही हैं।

दोनों पक्षों के परिवार के सदस्यों ने जनता को आश्वासन दिया है कि शादी टालने का कारण पूरी तरह से अप्रत्याशित मेडिकल स्थितियां थीं। पलाश की मां, अमिता मुच्छल ने उम्मीद जताई है कि रस्में जल्द ही फिर से शुरू होंगी।

स्मृति मंधाना की शादी : स्मृति मंधाना पहली बार तब सामने आईं जब कथित तौर पर पलाश मुच्छल के साथ उनकी शादी टाल दी गई। हालांकि, यह एक प्रमोशनल शूट था। इसका उनकी शादी से कोई लेना-देना नहीं है। हालिया डेवलपमेंट्स की बात करें तो, पलाश मुच्छल को हाल ही में प्रेम आनंद जी महाराज के आश्रम में देखा गया था।

बॉलीवुड में अब टैलेंट की राह होगी आसान ?

द वनसेट प्रोग्राम ने लॉन्च किया दीपिका

बॉलीवुड अभिनेत्री सह निमार्ता दीपिका पादुकोण ने सोमवार को अपना जन्मदिन मनाया और इस अवसर पर एक नयी पहल शुरू की। दीपिका ने कहा कि उनकी यह पहल अगली पीढ़ी की रचनात्मक प्रतिभाओं को सशक्त बनाएगी।

बॉलीवुड अभिनेत्री सह निमार्ता दीपिका पादुकोण ने सोमवार को अपना जन्मदिन मनाया और इस अवसर पर एक नयी पहल शुरू की। दीपिका ने कहा कि उनकी यह पहल अगली पीढ़ी की रचनात्मक प्रतिभाओं को सशक्त बनाएगी। चेन्नई एक्सप्रेस, पद्मावत, पिकू और पठान जैसी फिल्मों में काम कर चुकीं दीपिका ने अपने क्रिएट विद मी मंच के अगले अध्याय द ऑनसेट प्रोग्राम की घोषणा की, जिसका उद्देश्य उभरते कलाकारों को भारतीय फिल्म, टेलीविजन और विज्ञापन उद्योग में करियर बनाने के लिए सशक्त बनाना है।

अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो साझा करते हुए दीपिका ने कहा, पिछले एक साल से मैं देश और विदेश की अद्भुत रचनात्मकता की धनी प्रतिभाओं की पहचान करने और उन्हें एक ऐसा मंच प्रदान करने के बारे में दृढ़ता से सोच रही हूं, जहां उन्हें देखा, सुना और अनुभव किया जा सके। मैं द ऑनसेट प्रोग्राम के आरंभ की घोषणा करते हुए बेहद उत्साहित हूं और वास्तव में आप सभी को रचनात्मक प्रतिभा की धनी अगली पीढ़ी से परिचित कराने के लिए उत्सुक हूं।

जीवन के 40 साल पूरे करने वालीं दीपिका को उम्मीद है कि इस कार्यक्रम के माध्यम से होनहार प्रतिभाओं को प्रशिक्षण के अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम उन व्यक्तियों के लिए भी एक मंच के रूप में काम करेगा जिनके पास अपनी परियोजनाओं का नेतृत्व करने के लिए प्रासंगिक विशेषज्ञता और अनुभव है।

इसके अलावा एक ट्रेनिंग और मौके देने वाले इनिशिएटिव के तौर पर, द ऑनसेट प्रोग्राम को मुख्य क्रिएटिव और टेक्निकल डिपार्टमेंट में उभरते टैलेंट को पहचानने और सपोर्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसके पहले फेज में, यह प्रोग्राम राइटिंग, डायरेक्शन, कैमरा, लाइटिंग, एडिटिंग, साउंड डिजाइनिंग, आर्ट डायरेक्शन, कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग, हेयर स्टाइलिंग, मेकअप आर्टिस्ट्री और प्रोडक्शन को कवर करेगा।

राहु केतु का ट्रेलर देख हंसी से लोटपोट हुए लोग, वरुण शर्मा और पुलकित सम्राट ने खूब मचाया धमाल, लोगों के आए मजेदार रिएक्शन

पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा की फिल्म राहु केतु ट्रेलर रिलीज हो गया है और यह आपको हंसी से लोटपोट कर देगा। फुकरे और फुकरे 2 के बाद पुलकित सम्राट-वरुण शर्मा की जोड़ी एक बार फिर धमाल मचाने लौट रही है। फिल्म में कॉमेडी के साथ-साथ मैसेज भी है। राहु केतु के ट्रेलर में सिस्टम के हालातों पर हल्के-फुल्के अंदाज में तंज भी कसा गया है। ट्रेलर पर कमाल के रिएक्शन आ रहे हैं। फिल्म में राहु और केतु का किरदार पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा ने निभाया है।

राहु केतु के ट्रेलर की शुरूआत होती है, जिसमें पीयूष मिश्रा की आवाज आती है और वो दो ऐसे दोस्तों के बारे में बताते हैं, जो जहां जाते हैं साथ में मुसीबतों का अंबार ले जाते हैं। या यूं कहिए कि जहां भी ये दोनों दोस्त जाते हैं, वहां मुसीबत खुद-ब-खुद ही पहुंच जाती है। इसीलिए इन दोनों दोस्तों को राहु केतु माना जाता है। क्योंकि ये जहां भी जाते हैं, लोगों के काम बिगड़ जाते हैं। तीन मिनट 7 सेकेंड के ट्रेलर में कहीं भी एक भी ऐसा पल नहीं आता, जहां हंसी न आए।

राहु केतु का ट्रेलर देख यह बोले लोग

राहु केतु का ट्रेलर देखने के बाद लोगों के मजेदार रिएक्शन आ रहे हैं। एक ने ट्रेलर के वीडियो पर कमेंट किया है, चूचा और हनी की जोड़ी। एक और कमेंट है, भाई जबरदस्त हंसा रहे हो। एक बोला, बहुत दिनों बाद अच्छी कॉमेडी फिल्म आ रही है। एक बोला, थिएटर में देखने वाली बात है इस मूवी में। एक का कमेंट है, भाई ये को थेरेपी है। एकदम ब्लॉकबस्टर कॉमेडी।

राहु केतु में पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा के अलावा चंकी पांडे, अमित सियाल, मनु ऋषि चड्ढा, पीयूष मिश्रा और शालिनी पांडे भी हैं। यह फिल्म 16 जनवरी को रिलीज होगी। इसे विपुल विग ने डायरेक्ट किया है। जबकि प्रोड्यूसर उमेश कुमार बंसल हैं।

राहु केतु के ट्रेलर की शुरूआत होती है, जिसमें पीयूष मिश्रा की आवाज आती है और वो दो ऐसे दोस्तों के बारे में बताते हैं, जो जहां जाते हैं साथ में मुसीबतों का अंबार ले जाते हैं। या यूं कहिए कि जहां भी ये दोनों दोस्त जाते हैं, वहां मुसीबत खुद-ब-खुद ही पहुंच जाती है। इसीलिए इन दोनों दोस्तों को राहु केतु माना जाता है। क्योंकि ये जहां भी जाते हैं, लोगों के काम बिगड़ जाते हैं। तीन मिनट 7 सेकेंड के ट्रेलर में कहीं भी एक भी ऐसा पल नहीं आता, जहां हंसी न आए।